

# राहुल गाँधी एक सप्ताह की "मैडिटेशन यात्रा" पर वियतनाम गये

## राहुल को "मैडिटेशन" (ध्यान लगाने) की जरूरत इन दिनों कुछ ज्यादा ही नज़र आ रही है

—रेणु मिश्र—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 15 मार्च। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष 11 मार्च से 18 मार्च तक वियतनाम में हैं और इधर संसद का सत्र चल रहा है।  
वे कथित रूप से वियतनाम के आर्थिक मॉडल के अध्ययन के लिये वहाँ गये हैं। वहाँ का आर्थिक मॉडल मूलतः समाजवादी है, क्योंकि वियतनाम प्राथमिक रूप से एक कल्याणकारी देश है। लेकिन अन्दरूनी लोगों का कहना है कि वे वहाँ ध्यान करने के लिये गये हैं, क्योंकि वे ध्यान-प्रक्रिया से जुड़े हुये हैं तथा अपना काफी समय ध्यान में व्यतीत करते हैं।

जहाँ राहुल गांधी की स्वीकार्यता कुछ वर्गों में बढ़ रही है, लेकिन उनकी मुख्य समस्या यह है कि वे विभिन्न राज्यों और उनकी समस्याओं को "हैंडल" नहीं कर पाते हैं। और न उनके पास ऐसा कोई राजनैतिक सलाहकार है, जो उन्हें आधाभूत मालतियों करने से रोक सके।

राहुल गांधी के साथ लम्बे समय से यह समस्या बनी हुई है कि वे यह मानते

■ पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है, कि हालांकि, राहुल की व्यक्तिगत लोकप्रियता, "एक्सपैडिबिलिटी" (जनता में स्वीकार्यता) बढ़ी है, पर वे अभी राज्यों में फैली अन्तर कलह व खेमेबाजी को सुलझाने में सफल होते नज़र नहीं आ रहे हैं।

■ बिहार में, उनकी मुख्य सहयोगी पार्टी उनसे काफी नाराज़ है, क्योंकि राहुल बिहार में कन्हैया कुमार व पप्पु यादव को पार्टी में आगे बढ़ाना चाह रहे हैं। वे इन दोनों को नेतृत्व सौंपने को भी तैयार हैं और आर.जे.डी. उनके इस फैसले को पसन्द नहीं कर रही।

■ इसी प्रकार, अभी तक पंजाब के मुतल्लिक यह निर्णय नहीं ले पाये हैं, कि दलित नेता चन्नी को नेता बनवायें या किसी जट सिख को नेतृत्व सौंपें। राहुल व प्रियंका की पसन्द, दलित नेता चन्नी बुरी तरह हारे थे चुनाव में, क्योंकि, जट सिखों ने दलित को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार नहीं किया था।

■ अनिर्णय की स्थिति, गुजरात में भी है। पिछली बार राहुल अहमदाबाद में कह आये, कि, कांग्रेस का ही एक बड़ा खेमा, भाजपा का मददगार है, अतः इन गैर-वफादारों को पार्टी से निकाल देना चाहिए, उनकी संख्या चाहे जितनी बड़ी क्यों न हो। पर, उनके इस साहसी भाषण के बाद अभी तक गुजरात की कांग्रेस पार्टी में इस निर्णय की क्रियान्विति के बारे में कोई भी हलचल नहीं दिख रही।

हैं कि वे सबसे अच्छा स्वयं जानते हैं तथा उन्हें किसी सलाहकार की जरूरत नहीं है।  
बिहार, जहाँ इस वर्ष के अन्त में चुनाव होने हैं, में राहुल गांधी बिहार की राजनीति में कन्हैया को उतार रहे हैं। जिस

तरह से राहुल गांधी, कन्हैया और पप्पु यादव को बिहार में आगे बढ़ा रहे हैं, उससे बिहार में कांग्रेस का मित्र दल, आरजेडी अप्रसन्न है। राज्य कांग्रेस के नेताओं के गले भी यह बात नहीं उतर रही

है। उनका कहना है कि इससे चुनावों में गठबंधन और कांग्रेस -दोनों को ही नुकसान होगा।

इसी कारण बिहार के कांग्रेस नेताओं (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

### जेडीसी, जेडीए सचिव व जोन उपायुक्त जमानती वारंट से तलब

जयपुर, 15 मार्च। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने अदालती आदेश का पालन नहीं करने पर जेडीसी आनंदी, जेडीए सचिव निशांत जैन व जोन उपायुक्त राकेश मीना को दस-दस हजार रूपए के जमानती वारंट से 29 मार्च को तलब किया है। आयोग के अध्यक्ष

■ जिला उपभोक्ता आयोग -द्वितीय ने अदालती आदेश का पालन नहीं होने पर जेडीसी आनंदी, जेडीए सचिव निशांत जैन व जोन उपायुक्त राकेश मीना का जमानती वारंट जारी किया।

ग्यारसीलाल मीना ने यह निर्देश नकुलेश्वर दत्त के अवमानना प्रार्थना पत्र पर दिया। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि 29 अक्टूबर 2024 को उपभोक्ता आयोग ने जेडीए को निर्देश दिए थे कि वह एक महीने में भूखंड का कब्जा परिवारी (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

### कम परीक्षा परिणाम देने पर प्रिंसिपल व व्याख्याता के खिलाफ हुई कार्रवाई रद्द

जयपुर, 15 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने विभागीय मापदंड से कम परीक्षा परिणाम देने पर प्रिंसिपल व व्याख्याता के खिलाफ की गई दंडात्मक कार्रवाई को, सही नहीं मानते हुए, रद्द कर दिया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश प्रिंसिपल महेंद्र तिवाड़ी व व्याख्याता नेमीचंद की याचिकाओं पर दिया।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता 2019-2020 में कोटखावदा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,

■ राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रिंसिपल महेंद्र तिवाड़ी और व्याख्याता नेमीचंद की याचिका पर यह आदेश दिए। दोनों कोटखावदा के सीनियर सैकेंडरी स्कूल में पदस्थ थे।

राम नगर में प्रिंसिपल था। इस साल का सीनियर टीचर्स का गणित व इंग्लिश विषय का परीक्षा परिणाम विभागीय मापदंड से कम आया, जिस पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने याचिकाकर्ता को चार्जशीट दी और जुलाई 2021 में उसकी दो वार्षिक वृत्ति वृद्धि भी रोक दी। इसकी अपील करने पर प्रमुख शिक्षा सचिव ने दंड कम कर उसकी एक वार्षिक वृत्ति वृद्धि रोक दी। इसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'हम केन्द्र के शिक्षा बजट में हमारा शेयर देंगे, पर हिन्दी का "थोपना" स्वीकार नहीं करेंगे'

## तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में 2 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया, जो तमिलनाडु को केन्द्रीय शिक्षा बजट से मिलना था, पर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने रोक दिया, क्योंकि तमिलनाडु ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को स्वीकार नहीं किया

—लक्ष्मण बैंकट कुची—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 15 मार्च। तमिलनाडु तथा केन्द्र सरकार के बीच भाषा युद्ध और तेज हो गया है। तमिलनाडु ने अपने बजट लोको में रुपये का प्रतीक हटाकर, तमिल अक्षर "रु" का प्रयोग किया है। तमिलनाडु के भाजपा नेतृत्व ने इस पर विरोध की बोझार शुरू कर दी है।

भाजपा की तमिल इकाई के अध्यक्ष के अनामलाई तथा तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने द्रमुक तथा उसके नेता स्टालिन को फटकार लगाते हुये, कहा है कि वे भाषा विवाद को हास्यास्पद स्तर तक ले जा रहे हैं। इन दोनों भाजपा नेताओं ने तमिलनाडु सरकार के इस कदम को मूर्खतापूर्ण तथा उलटा असर करने वाला बताया है। तमिलनाडु सरकार भारत के किसी भी राज्य की ऐसी पहली सरकार है, जिसने राष्ट्रीय मुद्रा के प्रतीक को डॉलर किया है। प्रसंगवश बता दें कि इस प्रतीक

■ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने भी वित्त मंत्री के "स्टैंड" का पूरा समर्थन किया, और कहा, हम हमारे युवाओं को दो भाषा नीति से ही पढ़ावेंगे। क्योंकि तमिल व अंग्रेजी पढ़ाकर ही हमने उन्हें योग्य बनाया है, कि वे अपनी प्रतिभा व परिश्रम से अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर छाये हुए हैं, तथा तमिल संस्कृति भी पूरी तरह सुरक्षित है।

को एक तमिल व्यक्ति ने ही डिजाइन किया था। राज्य और केन्द्र सरकार के बीच खराब होते जा रहे सम्बंधों के बीच तमिलनाडु का यह कदम स्तब्ध करने वाला है।

इस मामले में तमिलनाडु का अगला कदम क्या होगा, यह प्रश्न लोगों के दिलों-दिमाग को परेशान कर रहा है, क्योंकि दोनों ही पक्ष अपनी पॉइंटे टैडी करते जा रहे हैं। केन्द्र इस बात पर अड़ा हुआ है कि राज्य को त्रिभाषा सूत्र की अनुपालना करनी ही होगी, और तमिलनाडु दशकों से इसका विरोध करता आ रहा है तथा द्विभाषा सूत्र को अपनाये हुये है।

इस समय अवरोध का मूल कारण यही है।

कल तमिलनाडु विधानसभा में पेश किये गये बजट में, राज्य के वित्त मंत्री थंगम तेनारसु ने 2000 करोड़ रु. का प्रावधान किया शिक्षा के मद में, किन्तु केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने तमिलनाडु को यह राशि दिये जाने से इसलिए इन्कार कर दिया, क्योंकि राज्य ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी स्वीकार नहीं की है।

बजट के लोको में, रुपये के स्थान पर "रु" अंकित था, जो तमिल शब्द "रूबई" का प्रथम अक्षर है। यह अक्षर (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# पुलिसकर्मियों ने नहीं खेली होली, अधिकारियों ने मनाया पर नहीं माने

## कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने कहा, प्रदेश में होली शांति से सम्पन्न करवाने वाले खुद होली का बहिष्कार करने को मजबूर हैं

जयपुर, 15 मार्च। अपनी लंबित मांगों का समाधान न होने से नाराज पुलिस कर्मियों ने होली नहीं खेली। अधिकारियों ने मनाने का प्रयास भी किया, लेकिन पुलिस कर्मियों ने होली खेलने से साफ इन्कार कर दिया। इसके बाद कर्मचारी संगठनों ने भी सरकार से पुलिसकर्मियों को मांगों पर विचार करने का आग्रह किया। इस मामले में सचिन पायलट, गोविंद सिंह डोटोसरा, टीकाराम जूली सहित कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने भी सरकार से इस मामले में दखल देने की मांग करते हुए लंबित मांगों पर ध्यान देने का अनुरोध किया है।

सचिन पायलट ने इस मामले को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि प्रदेशभर में होली संपन्न कराने में पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही है, लेकिन अब अपनी लंबित मांगों को लेकर वे खुद होली का बहिष्कार करने

■ पायलट ने कहा, मेरा सरकार से आग्रह है कि पुलिसकर्मियों की प्रमोशन, वेतन, भत्ते व अवकाश की मांगों पर संवेदनशीलता से विचार किया जाए।

■ प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटोसरा व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पुलिसकर्मियों की लंबित मांगे पूर कराने की मांग की।

■ ज्ञातव्य है कि होली का त्यौहार शांति से सम्पन्न कराने के बाद होली के अगले दिन पुलिसकर्मी होली खेलते हैं पर इस बार पुलिसकर्मियों ने होली नहीं खेली, कर्मचारी संगठनों ने भी पुलिसकर्मियों का समर्थन किया।

को मजबूर है। प्रमोशन, भत्ता बढ़ाने, अवकाश, स्थानांतरण पॉलिसी आदि को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। इन मुद्दों को लेकर आज राजस्थान के कई क्षेत्रों में पुलिसकर्मियों ने होली मनाने से मना कर दिया है। पुलिसकर्मियों के हितों को मजबूती से

पैवी कर रहे हैं। सरकार से निवेदन है कि संवेदनशीलता से इन मांगों पर सरकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए।

पुलिसकर्मियों द्वारा होली बहिष्कार को लेकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने लिखा है कि "पुलिसकर्मियों द्वारा (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# एक दिन पहले ही विपश्चना शिविर छोड़ा केजरीवाल ने

होशियारपुर, 15 मार्च। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को होशियारपुर से करीब 11 किलोमीटर दूर आनंदगढ़ गांव में धम्म धजा विपश्चना केंद्र (डीडीवीसी) में 10 दिवसीय विपश्चना ध्यान सत्र पूरा करने से पहले ही रवाना हो गए।

■ आप प्रवक्ता ने बताया कि केजरीवाल ने अपने मैडिटेशन टीचर से छुड़ी लेकर शिविर छोड़ा है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल कल रात यहां पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पहुंचीं और आज सुबह डीडीवीसी गईं। इसके बाद केजरीवाल और उनकी पत्नी सड़क मार्ग से जालंधर के लिए रवाना हो गए।

उन्हें विदा करने के लिए सांसद डॉ. राज कुमार, पंजाब के कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह और विधायक ब्रह्म शंकर (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# जबरदस्ती व विरोध नहीं, दया व करुणा के पुल से दूरियां घटती हैं

## कैडबरी डेयरी मिल्क ने विज्ञापन में नॉर्थ व साउथ के भाषा विवाद का नाजुक समाधान दिखाने की हिम्मत दिखाई, जबकि, बड़े-बड़े राजनीतिज्ञ फेल हो गये

—सुकुमार शाह—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 15 मार्च। एक ऐसा देश है, जहां भाषा संवाद का जरिया होने से कहीं अधिक पहचान, संस्कृति का प्रतीक है और अब तो राजनैतिक निष्ठा का भी प्रतीक बन गई है, वहाँ कैडबरी डेयरी मिल्क का नया विज्ञापन तोखी बहस का मुद्दा बन गया है। इस समय जबकि उत्तर भारत और दक्षिण भारत में भाषाई तनाव पनप रहा है, ऐसे में इस ब्रांड ने एक कोमल, किंतु सशक्त रूख अपनाया है। यह विज्ञापन कहता है, जोर-जबर्दस्ती या विरोध करने से नहीं, बल्कि "प्रेम" से मतभेद की खाई भरती है।

यह विज्ञापन ऑन लाइन काफी लोकप्रिय हो रहा है, इसमें रोजमर्रा का परिदृश्य दिखाया गया है, कुछ महिलाएं हिंदी में गपशप कर रही हैं कि तभी एक

तमिल भाषी पड़ोसन उनके साथ शामिल हो जाती है। उनमें से एक महिला देखती है कि तमिल महिला भाषा समझ नहीं पाने से परेशान लग रही है तो वह अंग्रेजी में बोलती है, ताकि वह महिला भी खुद को गपशप का हिस्सा महसूस कर सके। यह एक छोटी सी कोशिश है, पर इसमें एक सामाजिक राजनैतिक संदेश है, जो भी ऐसे देश में, जहाँ भाषा अक्सर युद्ध का मैदान बन जाती है। कई दशकों से भारतीय राजनीति में हिंदी भाषा थोपने का विवाद चल रहा है। केन्द्र सरकार हिंदी की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण बनाना चाहती है, चाहे वह सरकारी काम हो या प्रतियोगी परीक्षाओं में या शिक्षा नीति में। पर तमिलनाडु व दक्षिण भारतीय राज्यों में इसका कड़ा विरोध किया जाता है, जहाँ क्षेत्रीय दल, खासकर द्रमुक इन प्रयासों को अपनी भाषा और सांस्कृतिक

■ विज्ञापन के शुरू होते ही एक साधारण रोजमर्रा के दृष्टि से, गृहणियां आपस में बातचीत कर रही हैं हिन्दी में, तभी एक तमिल भाषी नई पड़ोसन बातचीत से जुड़ती हैं। एक गृहणी ने नई पड़ोसन की थोड़ी सी उलझन समझते हुए इंग्लिश में बोलना शुरू कर दिया, जिससे नई पड़ोसन भी बातचीत में शामिल हो जाये, यह एक छोटी सी संवेदनशील चेष्टा, कारगर साबित हुई, जबकि भाषा के विवाद ने देश को एक युद्ध भूमि बनाकर रख दिया है।

■ कैडबरी के विज्ञापन ने देश की अन्तरआत्मा को झकझोर तो दिया, कुछ क्षणों के लिए। पर, यह केवल एक चतुर विज्ञापन ही है, जो सही समय पर आया और चर्चित हो गया।

विरासत के लिए खतरे के रूप में देखते हैं। तमिलनाडु बार-बार नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फॉर्मूला

को टुकड़ा रहा है और उसने साफ कर दिया है कि तमिलनाडु में हिंदी का स्वागत नहीं होगा।

इस बेहद संवेदनशील विषय पर एड बना कर कैडबरी डेयरी मिल्क भी राजनैतिक विवाद में प्रवेश कर गई है, पर टकराव का रूख अपनाए बिना नॉर्थ-साउथ में उसने किसी का भी पक्ष नहीं लिया है, उल्टे भाषाई संदर्भ को दर्शाया है। संदेश साफ है, किसी को अपनाना जबरन नहीं होना चाहिए, बल्कि यह प्रेम और करुणा से किया जा सकता है।

एक ब्रांड जो लम्बे समय से रिशतों की गर्माईत और सबको साथ लेकर चलने के रूख पर चलता है, उसका यह विज्ञापन उसकी कॉर्पोरेट पहचान को दर्शाता है। लेकिन क्या यह बहुत सतर्कता से उठाया गया मार्केटिंग का कदम है या फिर भारत में भाषाई विवाद में द्वंद में पड़ने का प्रयास है, इस पर बहस जारी है।

इस विज्ञापन पर ऑन लाइन

प्रतिक्रियाओं की बाढ़ सी आ गई है। कई दर्शकों ने इसकी तारीफ की और कहा कि यह सबको साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है, जो भी स्वाभाविक तरीके से, जोर जबर्दस्ती से नहीं। एक दर्शक ने कहा "मैं दक्षिण-उत्तर भारतीय भाषा विवाद को नहीं जानता, पर मैं इस ग्रेट विज्ञापन को मानता हूँ। डेयरी मिल्क हमेशा सही नस पकड़ता है।" एक अन्य दर्शक ने इसकी तारीफ कर इसे खूबसूरत और प्रशंसनीय विज्ञापन बताया।

लेकिन कुछ आलोचनाएं भी हैं। कुछ लोगों ने परिदृश्य की व्यवहारिकता पर सवाल उठाया। एक यूजर ने कटाक्ष किया "तो मैं ओडिशा के किसी गांव में जाऊं तो वहां यह उम्मीद करूँ कि मेरी सुविधा के लिए वो अंग्रेजी में बात करेगा।" एक अन्य ने कहा "संस्कृत क्यों नहीं, यह देवताओं की भाषा है, इसे (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

रसियों के साथ वार्ता करने के लिए मॉस्को आ रहे हैं।

जहाँ अमेरिका, अपने राष्ट्रपति के पहले के इन दावों को, कि अगर वे राष्ट्रपति होते तो यूक्रेन में युद्ध कभी नहीं होता, या फिर वे युद्ध को जल्दी समाप्त करवा देंगे, सही साबित करने का जो तोड़ प्रयास कर रहा है, वहाँ, रूस के शीर्ष राजनयिक इस संपूर्ण पहल पर पानी फेर रहे हैं।

रूसी राष्ट्रपति के सहायक, यूरी उशाकोव ने कहा, कि उन्होंने सऊदी अरब में हुई अमरीकी-यूक्रेनी वार्ता और जो स्थिति बनी, उसके बारे में जानकारी ली थी। उन्होंने कहा कि संभावित आसान समझौता, "यूक्रेनी मिलिटरी के लिए एक अस्थायी राहत" से ज्यादा कुछ नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह का समझौता रूसियों को स्वीकार्य नहीं था। अमरीकियों ने पहले कहा था कि यूक्रेन ने अमरीकी प्रस्तावों को स्वीकार (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

### चारागाह भूमि से कब्जा नहीं हटा, जिला कलेक्टर रिपोर्ट सहित तलब

जयपुर, 15 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने झुंझुनू की चिड़ावा तहसील की चारागाह भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाने के मामले में जिला कलेक्टर,

■ हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने चिड़ावा तहसील की चारागाह भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाने के मामले 25 मार्च को जिला कलेक्टर सहित एसडीओ और तहसीलदार को तलब किया है।

एसडीओ और तहसीलदार को 25 मार्च को तलब किया है। अदालत ने अधिकारियों से मामले का संपूर्ण रिपोर्ट (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

जब पैसा बोलता है तब सत्य मौन रहता है। -कहावत

## वनानुभव

प्रकृति-अनुभव और वनानुभव चिकित्सा का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह आयुर्वेद की एक श्रेष्ठ गैर-औषधीय चिकित्सा है जिस पर समकालीन शोध भी बहुत समृद्ध है। हरियाली, प्राकृतिक वातावरण, वनों और उपवनों में प्रकृति-अनुभव या दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रसन्नता में योगदान पर पूर्व में यहाँ प्रमाण-आधारित टोस विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था। परन्तु क्या यह हरियाली में किया गया व्यायाम और योग तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है? वर्ष 2022 में प्रकाशित शोध को समाहित कर आता की चर्चा पुनः इसी विषय पर है।

जैसा कि पूर्व में बताया गया था, संहिताओं में स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार दोनों के लिये ऐसे अनेक सन्दर्भ हैं (देखें, च.चि.3.260-266; च.चि.2/3, 26-30, च.चि.4.106-109; च.वि.6.17, सु.उ.3.47.55-57 आदि)। उक्त सभी सन्दर्भ केवल उदाहरणार्थ और प्राचीनता दर्शित करने के उद्देश्य से उद्धृत किये गये हैं। समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विद्या के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है। यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सान्निध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अन्वेषणों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्वेषणित जुड़ाव रहा है।

जहाँ तक हरियाली का शारीरिक और मानसिक दोनों के लिये फायदा है और उसका सम्पूर्ण विश्लेषण यहाँ देना संभव नहीं है। इस विषय में एक बेहद उपयोगी पुस्तक द एक्सपीरियंस ऑफ नेचर- ए साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव वर्ष 1989 में प्रकाशित हुई थी। राचेलकपलान और स्टेफेनकपलान की यह पुस्तक इस विषय में विश्व की सर्वाधिक संदर्भित पुस्तक है जिसे लगभग 8000 प्रकाशनों में संदर्भित किया गया है। प्राकृतिक वातावरण, लोगों और उनके बीच के संबंधों का एक प्रमाण-आधारित लेखा जोखा इस पुस्तक में है। लेखकों ने यह समझने की कोशिश की है कि लोग प्रकृति का अनुभव कैसे करते हैं और वे किस प्रकार के प्राकृतिक वातावरण परसंद करते हैं, वे जंगल के अनुभवों से क्या मनोवैज्ञानिक लाभ उठाते हैं, और हमारे आसपास के उद्यान लोगों के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं।

आयुर्वेद का लोक-पुरुष-साम्य सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि मानव और संसार एक समान हैं (च.शा.5.3: पुरुषोऽयंलोकसमिन्तः)। इस सिद्धांत के प्रकाश में देखने पर लोक या पृथ्वी के वातावरण का सीधा सीधा प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पर पड़ता है क्योंकि लोक और पुरुष में समानता (च.शा.5.3: लोकपुरुषयोःसामान्यता) होने से सामान्य-विषय का सिद्धांत कार्य करता है। अर्थात् सामान भावों को सामान भावों से मिलाने पर उस भाव की वृद्धि और अहम भावों को मिलाने पर ह्रास होता है। सत्य बुद्धि तभी प्रकट होती है या अकल तभी आती है जब स्वयं के अंदर प्रकृति को व प्रकृति के अंदर स्वयं को देखा जाये (च.शा.5.7): सर्वलोककामान्यत्वात्मानं च सर्वलोकैकसमम्पश्यतः सत्या बुद्धिःसमुत्पद्यते। यहाँ पर लोक से तात्पर्य पूरी दुनिया के वातावरण से है जिसमें छः धातुयें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश तथा आत्मा शामिल हैं (च.शा.5.7): षड्धातुसमुदायोहि सामान्यतः सर्वलोकः। इस सूची में आत्मा का शामिल होना आश्चर्यजनक नहीं मानना चाहिये क्योंकि पौधे, प्राणी और सम्पूर्ण जीवन भी लोक में शामिल है।

यहाँ यह बताना आवश्यक है कि पैसा नहीं है कि प्रकृति के सभी आयाम स्वास्थ्यवर्धक और सुरक्षित ही हों। कई प्राकृतिक स्थल मानव में अकेले डर पैदा कर सकते हैं। जो हवा, पानी और मिट्टी स्वास्थ्य के लिये संबंध उपयुक्त होती है, वही प्रदूषित होने या प्राकृतिक आपदाओं के स्वरूप में आने पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकता है। प्राकृतिक वातावरण के जो प्राणी बहुत सुन्दर लगते हैं उनमें से बहुत हिंसक भी हो सकते हैं। इन बाढ़ों को ध्यान में रखते हुये प्रकृति-अनुभव अपने अन्य रूपों में हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को निर्धारित करते हैं। इस दृष्टिकोण से प्रकृति और पर्यावरण को निहारना, प्राकृतिक वातावरण में घूमना-फिरना स्वास्थ्यकर होता है।

प्रकृति-अनुभव किन कारणों से हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है? या अन्य शब्दों में कहें तो प्रकृति से जुड़ाव के स्वास्थ्यकर होने की मैकेनिज्म ऑफ एक्सन क्या है? अनेक अध्ययनों के प्रमाण स्पष्ट करते हैं कि प्रकृति का मानव शरीर और मन पर स्वास्थ्यकर प्रभाव स्वास्थ्य के विविध आयामों को बेहतर करने में प्राकृतिक वातावरणों की भूमिका के कारण होता है। उदाहरण के लिये प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य में सुधार की मैकेनिज्म ऑफ एक्सन को मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद में कमी, मन को प्रसन्नता में बदोतर, अच्छीनिद्रा, मनोहारी अनुभूति, प्रदू-नियंत्रण, बेहतर सामाजिक संपर्क, व्यायाम में बढ़ोतरी, हृदय रोगों में कमी, प्रतिरक्षा तंत्र में सुधार आदि के प्रकाश में देखा जा सकता है। वनानुभव-चिकित्सा (नेर्न में घूम-फिर कर प्रकृति का अनुभव करना) इम्प्यूनिटी भी बढ़ाती है (देखें, वाय, च. इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(16), 2021)। शहरों में हरियाली से स्वास्थ्य लाभ के बारे में वर्ष 1800 के बाद से कई छिटपुट अध्ययन मिलते हैं और शहरी विकास में इन्हें शामिल करने के प्रयास भी दुनिया भर में हुये हैं। इन सब अध्ययनों में एक सन्देश मिल रहा था कि हरियाली को अनुभूति करना या हरियाली का एक्सपोजर स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है, परन्तु व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस अब आना शुरू हुये हैं। हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की

**आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहाँ हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है।**

कैसर, व श्वसन रोगों से मृत्यु दर में कमी भी पाई गयी (देखें, सी. टोहिंग-बेनेट, ए. जोन्स, एनवायरमेंटल रिसर्च, 166: 628-637, 2018)। इस विषय में सबसे भारी अध्ययन जिसका वित्त-पोषण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था, वह वर्ष 2019 में दुनिया के एक अग्रणी जर्नल में प्रकाशित हुई। हरियाली को स्वास्थ्य-निर्धारक, स्वास्थ्य में सुधार, और विभिन्न प्रसन्नता के लिये उपयोगी माना जाता रहा है। इस व्यवस्थित अध्ययन में विश्व भर के उपलब्ध अध्ययनों से प्राप्त प्रमाणों की इस बात के लिये समीक्षा की गयी कि हरियाली, पार्क्स, गार्डन्स आदि की उपलब्धता का सकल मृत्यु दर में प्रभाव क्या है। इस मेटा-एनालिसिस में प्रारम्भ में 9298 अध्ययन और 13 अन्य अध्ययनों की पहचान की गयी। इनमें से 9234 (99 प्रतिशत) अध्ययनों को शीर्षक और सांख्यिकी जांचने के बाद अलग करते हुये शेष 77 अध्ययनों में से 68 (88 प्रतिशत) को सम्मिलित किया गया। उक्त के साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन हेतु नौ (12 प्रतिशत) अध्ययनों को शामिल किया। इनमें सात देशों के 8.32 लाख व्यक्ति शामिल थे। कुल मिलाकर निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहाँ हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है (देखें, डी. रोबसनएडा आदि, द लैंसेटप्लेनेटरी हेल्थ, 3,11:469-477,2019)।

एक अन्य महत्वपूर्ण मेटा-एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर जांच की गयी कि गर्भावस्था में प्रतिकूल परिणामों पर आवासीय हरियाली का क्या प्रभाव रहता है। इसमें कुल 36 अध्ययन शामिल थे और कुल मिलाकर 1.19 करोड़ (11.9 मिलियन) प्रतिभागी थे। परिणाम स्पष्ट करते हैं कि हरियाली वाले स्थलों में जन्म के समय न्यूनतम वजन का जोखिम उच्च स्तर की हरियाली वाले समूह में काफी कम था। गर्भावधि उग्र कम रहने की संभावना भी उच्च हरियाली वाले क्षेत्रों में घटी पायी गयी। इसके अलावा अधिक हरियाली वाले क्षेत्रों में मातृ-जोखिम कम पाया गया और मानसिक विकारों में भी कमी पायी गयी। यह समीक्षा आवासीय हरियाली और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों के बीच एक उल्टे रिश्ते होने की पुष्टि करती है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट कर देते हैं कि हरियाली गर्भावधि महिलाओं के लिये जोखिम घटाती है (वाइ, झान आदि, साइंस ऑफ द टोटल एनवायरमेंट, 718: आर्ट. 137420, 2020)। हाल ही में वनानुभव को मानसिक स्वास्थ्य में बेहतर लाने के टोस प्रमाण मेटा-एनालिसिस से प्राप्त हुए हैं (देखें, वाई. कोटोरा इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड एडिशन, 20(1):337-361, 2022)। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से सिद्ध होता है कि वनानुभव अवसाद व चिंता से बचाने हेतु श्रेष्ठ गैर-औषधीय युक्ति है (पी.एस. येओन इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(23): 2021)। रैडमहाज्ज कंट्रोल ट्रायल्स की मेटा-एनालिसिस का निष्कर्ष भी स्पष्ट करते हैं कि वन-आधारित गैर-औषधीय चिकित्सकीय दखल मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं (देखें, एम.जे. को को इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 19(8): 2022)। हाल ही में 52 अध्ययनों में समाहित 5.2 मिलियन लोगों के आंकड़ों को लेकर की गई मेटा-एनालिसिस सिद्ध करती है कि ग्रीन-स्पेस के आसपास रहने वाले लोगों में डायबेटिकल और सिस्टोलिक ब्लडप्रेसर में सुधार होता है (देखें, वाई. झाओ इत्यादि, साइंस ऑफ द टोटल एनवायरमेंट, 817: 152513,2022)।

हमारा समाज आज शारीरिक, प्रकृति-अनुभव अनेक रूपों में हो सकता है। हमारे आसपास हरियाली को बढ़ावा देना, वनों उपवनों में घूमना, प्राकृतिक स्थलों में सैर-सपाटा, प्रतिदिन समीपवर्ती बाग-बगीचों में जाकर कम से कम एक घंटे का समय बिताना, कार्य-स्थलों में हरियाली बढ़ाने के लिये छोटे-छोटे गार्डन या बगीची विकसित करना, बैठने के स्थान में खिड़की से दिखने वाला हरा-परा दृश्य, कार्यालय में पौधे पंचित का ब्रेक लेकर हरियाली में टहल कर आना आदि सब छोटे-छोटे ऐसे कार्य हैं, जिनके माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ जुड़ाव बना रहता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह याद रखने योग्य है कि चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अतः व्यायाम और योग वनों, हरे-भरे स्थलों, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी वनीय पराम और प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पराम आवश्यक है। जीवन के प्रारम्भिक काल में प्रकृति से जुड़ाव मानव और प्रकृति के मध्य आजीवन सार्थक रिश्ता बनाने हेतु आवश्यक है। प्रकृति के साथ जुड़े रहिये और स्वयं को कौन्यो आनंदित रहिये स्वस्थ रहिये।

-अतिथि सम्पादक,  
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय  
( भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर )  
( यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं )



डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नजर अब दुनिया के खनिज संपदा संपन्न देशों की ओर है। ट्रम्प का यह अब यह छिपा एजेण्डा भी नहीं रहा क्योंकि यूक्रेन को सहायता के बदले उसकी खनिज संपदा के प्रबंधन का जिम्मा अमेरिका लेने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की पर लगातार दबाव डाल रहे हैं। यूक्रेन 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की खनिज संपदा को लेकर अमेरिका के साथ समझौता करने को भी लगभग तैयार हो गया पर पिछले दिनों जेलेन्स्की की अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रम्प और जेलेन्स्की में जिस तरह की कड़वाहट भरी नोकझोंक हुई है उसने इस डील को फिलहाल तो कगजोर कर दिया है। हालांकि यूक्रेन के जेलेन्स्की ने यूरोप

यात्रा के दौरान राष्ट्रिहृत में अमेरिका के साथ समझौता करने पर लगभग सहमत वाली बात कही है।

उधर रूस नहीं चाहता कि इस तरह का कोई समझौता अमेरिका व रूस के बीच हो, यही कारण है कि रूस ने भी रूस की खनिज संपदा को लेकर अमेरिका से समझौते के लिए खुला निमंत्रण दे दिया है। दरअसल अमेरिका स्वयं खनिज संपदा संपन्न देश है। इसके साथ ही खनिज संपदा के मामलों में देखा जाए तो अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता देश है। इसके साथ ही अमेरिका खनिजों खासतौर से दुर्लभ खनिजों के मामलों में चीन का बर्चस्व चीन पर निर्भरता खत्म या यों कहे कम करना चाहता है। इसी कारण से दुनिया के खनिज संपदा संपन्न देशों पर ट्रम्प की ललचाई नजर साफ दिखाई दे रही है।

अभी पिछले दिनों ही ट्रम्प ने कनाडा को अमेरिका 51वां राज्य कहकर संबोधित किया है। उधर कनाडा के राष्ट्रपति जस्टिन ट्रूडो साफ साफ कह चुके हैं कि अमेरिका की नजर कनाडा की खनिज संपदा पर है और वह कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनने के लिए दबाव बनाये हुए हैं। हालांकि जस्टिन ट्रूडो इसको ट्रम्प का दिवा स्वप्न ही बता रहे हैं।

उधर अमेरिका एन केन प्रकारेण अफगानिस्तान में प्रवेश करना चाहता है जहाँ की खनिज संपदा को वह हथिया सके। हालांकि तालिबानियों के रहते फिलहाल तो ऐसा संभव नहीं लग रहा है। यह दूसरी बात है कि अमेरिका-रूस के बीच बन रहे नए समीकरणों का भविष्य क्या रहता है? इस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। देखा जाए तो अर्वाचिन काल से ही खनिज संपदा का अपना महत्व रहा है। पर इलेक्ट्रॉनिक युग में दुनिया के देशों के लिए खनिज संपदा का महत्व और मांग तेजी से बढ़ गई है। आज विकास की परिकल्पना को खनिजों की उपलब्धता के आधार पर ही साकार किया जा सकता है।

नए युग की आवश्यकताओं की पूर्ति इन रियर खनिजों से ही संभव हो पा रही है। एक समय था जब सोना, चांदी, तांबा आदि की ओर अधिक ध्यान केन्द्रित होता था आज उसका स्थान दुर्लभ खनिज लेते जा रहे हैं। इसका कारण भी साफ है। उर्जा के क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र में करीब 80 प्रतिशत, कृषि क्षेत्र में 70 प्रतिशत तक कच्चे माल या सहायक के रूप में भूगर्भ की खनिज संपदा की भागीदारी है।

आज दुनिया के 90 प्रतिशत रियर अर्थ पर चीन की मोनोपॉली है। दुनिया

में खनिज संपदा के क्षेत्र में चीन शीर्ष पर है। चीन में 4.6 बिलियन टन प्रतिवर्ष, दूसरे नंबर में अमेरिका 2.2 बिलियन टन, तीसरे नंबर पर रूस 1.7 बिलियन टन और चौथे नंबर पर आस्ट्रेलिया 1.4 बिलियन टन सालाना खनिज संपदा का उत्पादन कर रहे हैं। चीन की संपन्नता का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि दूसरे नंबर के अमेरिका की तुलना में चीन में लगभग दो गुणा अधिक खनिज संपदा का उत्पादन हो रहा है।

कनाडा और यूक्रेन के प्रति अमेरिकी नीति से यह साफ हो जाता है। अमेरिका यूक्रेन की रियर अर्थ एलिमेंट संपदा के नियंत्रण के माध्यम से खनिजों के क्षेत्र में चीन को पीछे छोड़कर स्वयं का नियंत्रण बनाना चाहता है। कनाडा में भी सोना, चांदी, निकल, तांबा, यूरेनियम, पोटाश, कोबाल्ट, हीरा आदि के प्रचुर भण्डार हैं तो यूक्रेन में भी रियर खनिजों के भण्डार धरती के गर्भ में समाने हुए हैं। यूक्रेन में टोफाइट, लिथियम, आदि रियर अर्थ के भण्डार हैं। लिथियम के 19 मिलियन टन भण्डार होने के साथ ही विश्व के प्रमुख पांच ग्रेफाइट उत्पादक देशों में यूक्रेन है। यूक्रेन में आईरॉन के 17 तत्वों के समूहों वाले खनिजों में से बहुतायत में भण्डार है। अफगानिस्तान के साथ अमेरिका

2017 में समझौता कर चुका है पर तालिबान के प्रवेश के कारण अमेरिका का सपना अधुरा रह गया। हालांकि 2021 में भी अफगानिस्तान से समझौते की पहल अमेरिका से कर चुका है। अभी भी अमेरिका की अफगानिस्तान की खनिज संपदा पर पूरी नजर है और अमेरिकी-रूस नजदीकी के प्रयास इस दिशा में आगे बढ़ेंगे।

यह साफ है कि आज रिचार्जबल बेटरी, मोबाइल, कम्प्यूटर चिप, हवाई जहाज के उपकरणों में उपयोग होने वालों के साथ ही उर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपयोग के खनिज भण्डार हैं। दुनिया के देश आज कच्चे माल के रूप में चीन पर निर्भर हैं। चीन पर निर्भरता कम करने के साथ ही अमेरिका अपना वर्चस्व बनाने के लिए संधावित सभी देशों पर योजनाबद्ध तरीके से दबाव बना रहा है ताकि बदलती औद्योगिक सिनेरियों में अमेरिका की तूती और अधिक तेजी से बज सके और अन्य देश अमेरिका पर निर्भर हो सकें। अमेरिका खनिज संपदा का आर्थिक सामाजिक और औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार बनाना चाहता है और इस तरह से वह अपना वर्चस्व कायम करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है।

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा  
( वरिष्ठ लेखक )

# 174वां बादशाह मेला धूमधाम से मनाया, गुलाल रूपी खर्ची लेने उमड़े लोग

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के महिला, पुरुष और बच्चों ने मस्ती के साथ मेले का आनंद लिया

ब्यावर, (निर्स) शहर का ऐतिहासिक और पर्यटक 174 वां बादशाह मेला धूमधाम से मनाया गया। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के महिला, पुरुष और बच्चों ने पूरी मस्ती के साथ मेले का आनंद लिया। मेला संयोजक सतीश शर्मा के निर्देशन में सभी व्यवस्थाएं पूर्ण रूप से आकर्षक रही।

बादशाह की बोली स्थानीय बंशी भवन में लाई गई, जिसमें चंद्रशेखर उर्फ चंदु अग्रवाल बादशाह बने। बादशाह के वजीर गुलाब चंद अग्रवाल और बीरबल मुकेश उपाध्याय बने। वहीं दोपहर भैरू जी के खेजड़े पर ठंडाई वितरण का कार्यक्रम हुआ और सवा तीन बजे बादशाह की सवारी प्रारम्भ हुई। सवारी पांच बजे, महादेव जी की छतरी, अजमेरी गेट होते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुँची जहाँ बादशाह और प्रशासन के मध्य जमकर गुलाल युद्ध चला। रात्रि सवा आठ बजे कलेक्टर परिसर में ही कलेक्टर को नगर विकास हेतु फरमान जारी किया गया जिसे कलेक्टर महेंद्र खड्गवात द्वारा स्वीकार करते हुए पालना हेतु आयवासन दिया। रात्रि आठ बजेकर पेंतालिस मीनिट पर सवारी नगर परिषद मार्ग स्थित अग्रसेन भवन पहुँची। सवारी प्रारम्भ होने से पूर्व लोहरान चौपड़ पर जीनपार समाज द्वारा कोड़ाभार होली खेली जाती है जिसमें रंगों से भरे बड़े कण्डह से रंग लेकर देवर अपनी भाभी पर रंग डालने का प्रयास



ब्यावर के बादशाह मेले का महिला-पुरुषों सहित बच्चों ने जमकर आनंद लिया।

करते हैं और बदले में भाभी उन्हें कण्डे से बने कोड़े से मारती हुई बचने का प्रयास करती हैं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में गुगलों का शासन काल वैसे तो काल युग कहलाता रहा है लेकिन अकबर बादशाह के समय में उनके नवरत्नों में से एक टोडरमल अग्रवाल को ढाई दिन की बादशाहत मिलने की याद को ताजा करने के उद्देश्य से घुलपट्टी के दूसरे दिन ब्यावर नगर में मनाया जाने वाला ऐतिहासिक व कौमी एकता का प्रतीक यह मेला प्रतिवर्ष हर्षोल्लास से

जनसहयोग द्वारा अग्रवाल समाज में तत्वधान में मनाया जाता है। सन् 1851 से नगर में प्रारम्भ हुआ यह मेला सभी समुदाय के लोगों का एक ऐसा त्यौहार है, जिसमें बादशाह को सजाने संवारने का कार्य माहेश्वरी समाज के बंधु करते हैं। भांगयुक्त ठंडाई बनाने का कार्य जैन समाज के निर्देशन में उनका सेवक करता है तथा इसका वितरण नगर के प्रमुख बाजारों में प्रसाद के रूप में किया जाता है। प्रसिद्ध बादशाह मेले में बादशाह द्वारा लुटाई जाने वाली

गुलाल को "बादशाह खर्चों दें" के नाम से सोने की अशर्फियों की तहर नगर के लोग लूटने को तत्पर दिखाई देते हैं। ऐसी मान्यता है कि वह अपनी तिजोरी व दुकान के गल्ले में इस आशय के साथ रखते हैं कि उनके कारोबार में वृद्धि के लिए यह लाभकारी है तथा यह माना जाता है कि इसे रखने से खजाना कभी खाली नहीं होता। ब्यावर से लगभग 100-150 किलोमीटर आस-पास के क्षेत्रों विशेषकर ग्रामीण अंचलों के लोग समूह में ढोल-चंग की थाप पर होली

■ सन् 1851 से नगर में प्रारम्भ हुआ यह मेला सभी समुदाय के लोगों का त्यौहार है

के मधुर गीतों के साथ नाचते गाते मेले की शोभा बढ़ाते हैं। नगर का मुख्य बाजार हजारों लोगों की उपस्थिति में गुलालमय हो जाता है। सैकड़ों मण लाल रंग गुलाल की चारद नगर की सड़कों पर बिछ जाती है। सभी एक दूसरे पर गुलाल लगाकर खुरी का इजहार करते हैं। नगर की महिलाएं एवं बच्चे सम्पूर्ण बाजार की छतों पर बैठकर इन मनोहारी दृश्यों का आनंद लेते हैं। सुहानी शाम से प्रारम्भ हुआ यह मेला शाम तक चलता है।

नगर के प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय परिसर में जिला कलेक्टर से गुलाल खेलते हैं व नगर विकास का आदेश देते हैं। तदन्तर जिला कलेक्टर बादशाह का सम्मान करते हुए राजकीय कोष से बीरबल को नारियल व मुद्रा के रूप में नजराना पेश करते हैं। यह आदेश ब्यावर के संस्थापक कर्नल डिक्सन के समय से प्रभावी है। इस मेले की महत्ता को देखते हुए राजस्थान पर्यटन विभाग ने पर्यटक मेले के रूप में मान्यता दे रखा है।

# बीकानेर स्टेशन से पहले निकली ट्रेन

बीकानेर, (निर्स)। यहाँ रेलवे स्टेशन से एक ट्रेन अपने निर्धारित समय से पहले रवाना हो गई। बीकानेर से शिरडी साइनर की ओर जाने वाली इस ट्रेन का समय दोपहर 13.30 बजे था लेकिन ये 12.10 पर ही बीकानेर स्टेशन से निकल गई। हालांकि, रेलवे ने इसके लिए यात्रियों को सूचना भी दी लेकिन ये सूचना भी 11.26 बजे मिली। इस मैसजे के बाद यात्रियों को स्टेशन पहुँचने के लिए महज पौन घंटा

मिला। इस मुद्दे पर पक्ष लेने के लिए रेलवे प्रवक्ता शशि किरण को काल किया गया, लेकिन उन्होंने रिसॉस नहीं दिया। वहीं स्थानीय अधिकारियों ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। जानकारी के अनुसार ऐसा कभी नहीं होता कि कोई रेल समय से पहले अपने स्टेशन से रवाना हो जाए। आमतौर पर रेल समय से पहले एक रहुंच जाती है, लेकिन रवाना अपने समय पर ही हो सकती है। शिड्यूल में अचानक

परिवर्तन के कारण उन सभी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, जिन्होंने इस ट्रेन के लिए आईआरसीटीसी से ऑनलाइन टिकट बनवाया था। यात्रियों का कहना है कि रेल निकलने के बाद किसी तरह का रिफंड आईआरसीटीसी नहीं देता। ऐसे में तो इसके लिए क्लेम भी नहीं कर पा रहे हैं। बीकानेर से जयपुर पर रेल समय से पहले एक रहुंच का खर्च आता है। ऐसे में यात्रियों को इस रिफंड के लिए खासी मशकत

करनी पड़ सकती है। बीकानेर से शिरडी तक जाने वाली ट्रेन का समय 12.10 ही था लेकिन इसका शिड्यूल हाल ही में बदल दिया गया। इसी बदले हुए शिड्यूल के आधार पर ऑनलाइन टिकट जारी कर दिए। उधर, रेलवे ने बदले हुए शिड्यूल को आगे बढ़ा दिया, यानी फिलहाल पुराने समय पर ही रेल चलाने का निर्णय कर लिया। इसी रेल में बीकानेर से जयपुर

जाने के लिए डॉ. पूर्वा ने भी टिकट बनाया। उसे 11.26 बजे मोबाइल पर मैसजे मिला कि उसकी रेल का समय रि-शिड्यूल किया गया है। लिंक पर जाकर देखा तो समय 12.10 बताया गया। डॉ. पूर्वा ने ये मैसजे ही सवा बारह बजे देखा था। सभी साइट्स देखने पर इस रेल का अलग-अलग समय बताया गया। उसे जयपुर में अर्जेंट काम के कारण फिर पर्सनल कार से परिचित के साथ जाना पड़ा।

**राशिफल रविवार 16 मार्च, 2025**

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत् 2081, हस्त नक्षत्र दिन 11:45 तक, वृद्धि योग दिन 2:48 तक, गर करण सायं 4:59 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 1:15 से तुला राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मिथुन, बुध-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।**

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 11:45 तक है। द्विपुष्कर योग दिन 11:45 से सायं 4:59 तक है। राजयोग दिन 11:45 से सूर्योदय तक है। आज बुध अस्त परिधम में रात्रि 12:04 तक होगा। आज भाईदोजी और कमलदान पूजा, चित्रगुप्त पूजा और सन्त तुकाराम जयन्ती है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया: चर दिन 8:08 से 9:37 तक, लाभ-अमृत 9:37 से 12:36 तक, शुभ 2:05 से 3:34 तक।**

**राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:34, सूर्यास्त 6:32**

**मेघ**  
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

**वृष**  
परिवारों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

**मिथुन**  
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

**कर्क**  
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुनये मित्रों से मुलाकात हो सकती है। शुभ-मंगलिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है।

**सिंह**  
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि का भय है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

**कन्या**  
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

**तुला**  
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज पारिवारिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खर्चा हो सकता है।

**वृश्चिक**  
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संधावित खोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

**धनु**  
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**मकर**  
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आयवासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

**कुंभ**  
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

**मीन**  
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।





# आमजन होली पर लें अंत्योदय का संकल्प : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत की संस्कृति की दुनिया में विशिष्ट पहचान है। हमारे ऋषि-महर्षियों ने गौरवशाली संस्कृति को मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि होली का पर्व खुशी एवं उल्लास

और मानसरोवर आवासीय योजना भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों से अभूतपूर्व बदलाव हुआ है। जन-मानस ने सीमा सुरक्षा, विकास की योजनाएँ तथा दुनिया में

भारत के बढ़ते हुए गौरव को महसूस किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश में विकास और विरासत दोनों को आगे ले जाने का काम कर रहे हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी, जयपुर सांसद मंजू

शर्मा, जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सोम्या गुर्जर और उपमहापौर पुनीत कर्णावट, जयपुर भाजपा जिला अध्यक्ष अमित गोयल, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश तिवारी सहित जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## मुख्यमंत्री ने पूँछरी का लौठा में श्रीनाथजी के दर्शन किए

डींग/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को होली के पावन अवसर पर डींग स्थित पूँछरी का लौठा धाम पहुंचे तथा श्रीनाथ जी मंदिर में दर्शन किए। शर्मा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस दौरान शर्मा ने पूँछरी का लौठा में मुकुट मुखारबिंद पर श्रीगिरिराज जी का दुर्गाभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं और परिक्रमार्थियों पर पुष्प वर्षा कर फूलों की होली खेली, चंग की थाप पर सभी दर्शनार्थी उमंग और उत्साह से भर उठे तथा हर्षोल्लास से इस त्यौहार को मनाया। इस अवसर पर साधु संतों ने शर्मा का साफा बांधकर स्वागत किया। होली महोत्सव में श्रीनाथ जी मंदिर कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा मयूर नृत्य सहित विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियाँ पेश की गईं। जिसको देखकर हर कोई श्री कृष्ण की भक्ति में झुलता नजर आया।

इस दौरान गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेदम, डींग-कुम्हेर विधायक डॉ शैलेश सिंह, वैद्य विधायक बहादुर सिंह कोली, संभागीय आयुक्त भरतपुर डॉ अमित यादव, भरतपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# विधानसभा अध्यक्ष ने राज्यपाल से मुलाकात की



जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनाणी और राज्य सभा सांसद मदन राठौड़ ने राज भवन में मुलाकात की। देवनाणी ने राज्यपाल को विधान सभा में गत एक वर्ष में किए गए नवाचारों पर आधारित "नवाचारों का एक वर्ष" पुस्तक की प्रति भेंट की। देवनाणी ने राज्यपाल को बताया कि राजस्थान विधानसभा में कार्य प्रणाली को नया

स्वरूप देने के साथ ही सनातन संस्कृति के अनुरूप डायरी और कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है। बागडे ने प्रकाशन के लिए देवनाणी को बधाई देते हुए कहा कि लोकतंत्र के पवित्र स्थल विधानसभा की कार्य प्रणाली का ऑनलाइन संचालन करने, समय सीमा में प्रश्नों के जवाब मंगाने, सर्व दलीय बैठक के आयोजन के साथ सदन के प्रभावी

संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष द्वारा किए गए नवाचार अन्य विधानसभाओं के लिए प्रेरणादायी है। राज्य सभा सांसद मदन राठौड़ ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनाणी को उनके द्वारा किए गए नवाचारों की ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि राजस्थान विधानसभा देश के विधान मंडलों में सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनने की ओर अग्रसर है।

## मुख्यमंत्री ने आमजन के साथ खेली होली



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को उनके निवास पर आम लोगों के साथ होली खेली। इस दौरान बच्चों ने भी उन्हें रंग लगाया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर होली का पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया। शर्मा ने इस दौरान बड़ी संख्या में आए आमजन से आत्मीय मुलाकात कर फूलों व प्राकृतिक रंगों से होली खेली। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह में लोक कलाकारों ने ब्रज की विभिन्न संस्कृतियों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली के पर्व की बधाई देते हुए कहा कि

रंगों का यह पर्व बेहद ही निराला है, हमें आपसी कटुता को भुलाते हुए एक-दूसरे को गले लगाने की सीख देता है। साथ ही, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। शर्मा ने युवा, किसान, महिला और मजदूर सहित पूरे प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की। समारोह में मुख्यमंत्री कायालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने होली पूजन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। शर्मा ने परिवारजनों के साथ यहां श्री राज राजेश्वरी मंदिर प्रांगण में विधिवत् रूप से होली पूजन किया। उसके बाद मंत्रोच्चार के बीच होलिका दहन किया गया। इस दौरान राजस्थान पुलिस की 4 आरएसी बटालियन के जवानों ने चंग की थाप पर होली के गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। होलिका दहन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कायालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# जयपुर में खंडहरनुमा प्लाट में फंदे से लटके मिले युवक-युवती

जयपुर। विधायकपुरी थाना इलाके में एक खंडहरनुमा प्लाट में शनिवार दोपहर को फंदे से लटके युवक-युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फंदे से दोनों शवों को उतार कर एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों शवों से कुछ ही दूरी पर एक बैग भी रखा मिला है। बैग में उनके कपड़े सहित ट्रेन टिकट भी

मिला है। जिससे पता चला है कि 13 मार्च की दोपहर ट्रेन से वह दोनों अजमेर से जयपुर आए थे और दोनों का ही अपने घरों से भागकर आना प्रतीत होना है। फिलहाल मामले की जांच पड़ताल की जा रही है और दोनों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उनके आने के बाद ही पोस्टमार्टम किया जाएगा। थानाधिकारी बनवारी लाल मीना ने बताया कि थाना इलाके के अजमेर

पुलिया के पास एक प्लाट में कुछ खंडहरनुमा कमरे बने हुए हैं। जहां पहले विजली विभाग का गोदाम था। शनिवार दोपहर को खाली पड़े खंडहर में कचरा बीनने लड़का गया था। जहां कचरा बीनते समय उसे खंडहरनुमा गोदाम के अंदर फंदे से युवक-युवती लटके दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका-मुलायमा करने के बाद एफएसएल टीम को बुलाकर

मौके से सबूत जुटाए। जिसके बाद दोनों शवों को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस की प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि दोनों मृतक की उम्र 25-30 के बीच में है। जिन्होंने खंडहरनुमा प्लाट में बने गोदाम में लगे टीन शेड से चुनौ का फंदा लगाकर आत्महत्या की है। बैग में मिले दस्तावेजों के आधार उनकी पहचान बदायूं यूपी निवासी 22 वर्षीय रेणु विश्वास और 25 वर्षीय नीरज निवासी नरहेडा पटौती हरियाणा के रूप में हुई है।

# जयपुर में कार्यकर्ताओं के साथ डॉ. सतीश पूनिया ने मनाई होली



जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने प्रदेशभर से पधारे पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ गुलाल लगाकर होली की रामा-श्यामा की। सतीश पूनिया ने 14 मार्च को होली के पावन पर जयपुर में राणी सती नगर

स्थित अपने जनसंवाद केंद्र पर सुबह से लेकर दोपहर तक जयपुर से लेकर प्रदेशभर से पधारे पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ गुलाल लगाकर होली खेली एवं मिठाई खिलाकर होली की रामा-श्यामा की। जन संवाद केंद्र पर पार्टी कार्यकर्ताओं-आमजन के लिए मिठाई एवं जलपान की व्यवस्था रही।

वहीं 15 मार्च को सतीश पूनिया ने जन संवाद केंद्र पर सुबह से लेकर दोपहर तक प्रदेश के शेखावाटी, मारवाड़, मेवाड़, ब्रज क्षेत्र से पधारे हजारों कार्यकर्ताओं के साथ होली की राम-राम की एवं जनसुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को समाधान के लिए आग्रह किया।

## असिस्टेंट प्रोफेसर के बर्खास्तगी आदेश को हाईकोर्ट ने सही माना

जयपुर। हाईकोर्ट ने एमएनआईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर की बर्खास्तगी आदेश को सही मानते हुए इसे चुनौती देते हुए दायर याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश डॉ. एसएस स्वैन की याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि भर्ती में छूट को लेकर कोई प्रावधान नहीं था। इसके चलते बिना पीएचडी वाले अभ्यर्थियों ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए आवेदन नहीं किया। ऐसे में यदि याचिकाकर्ता को कोई छूट दी गई तो वह समानता के अधिकार के खिलाफ होगा।

याचिका में कहा गया कि असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2022 को लेकर आवेदन मांगे गए थे। जिसमें आवेदन की अंतिम तिथि तक संबंधित विषय में पीएचडी होना जरूरी था। याचिकाकर्ता ने आवेदन किया और उसका साक्षात्कार लेने के बाद उसे 14 फरवरी, 2024 को नियुक्ति दे दी। वहीं बाद में उसे पीएचडी की डिग्री भी मिली। उक्त तिथि बताने को लेकर नोटिस दिया गया। इसके बाद 7 सितंबर, 2024 को उसकी नियुक्ति रद्द कर दी गई।

# कला मेले के पोस्टर का विमोचन



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और शासन सचिव रवि जैन ने 24वें कला मेले के पोस्टर का विमोचन किया। जयपुर। राजस्थान ललित कला अकादमी एवं जवाहर कला केन्द्र की सहभागिता में 19 से 23 मार्च को जवाहर कला केन्द्र के शिल्पग्राम में 24वें कला मेले का आयोजन किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री एवं कला साहित्य, संस्कृति, पर्यटन विभाग की मंत्री दिया कुमारी और कला साहित्य संस्कृति विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर डॉ. नाथूलाल वर्मा (कला मेला संयोजक), डॉ. राजेंद्र प्रसाद, श्री विनय शर्मा, श्री मनीष शर्मा, डॉ. जे. पी. मीणा, संगीता सिंह एवं महेंद्र मंडावरिया मौजूद रहे। अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि 24वें कला मेले में 110

## विधायकपुरी थाना इलाके में फंदे से लटके युवक-युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई

जयपुर। विधायकपुरी थाना इलाके में एक खंडहरनुमा प्लाट में शनिवार दोपहर को फंदे से लटके युवक-युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फंदे से दोनों शवों को उतार कर एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों शवों से कुछ ही दूरी पर एक बैग भी रखा मिला है। बैग में उनके कपड़े सहित ट्रेन टिकट भी

## घुमन्तू परिवारों के 153 लोगों को मिले वोटर आईडी कार्ड

जयपुर। सांगानेर के बी 7 बाईपास स्थित कालबेलिया, नट एवं बावरिया बस्ती में राज्य सरकार द्वारा दस्तावेजोत्पन्न अभियान के तहत बनाए गए मतदाता पहचान पत्रों का वितरण किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के घुमन्तू जाति उत्थान, न्यास के तत्वाधान में चलाए जा रहे दस्तावेजोत्पन्न अभियान के अन्तर्गत बस्तियों का सर्वे कर घुमन्तू जाति के लोगों के आधार कार्ड, राशनकार्ड, मतदाता पहचान पत्र सहित जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है। शनिवार को टोंक रोड सांगानेर स्थित श्री राममंदिर नगर में रह रहे घुमन्तू जाति के लोगों को मतदाता पहचान पत्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर सांगानेर एसडीएम हिमन सिंह द्वारा 153 वोटर आईडी प्रदान कर बस्ती के लोगों को मतदान का अधिकार प्रदान किया गया। पिछले कई दशकों से मतदान के अधिकार से वंचित लोगों में मतदाता पहचान पत्र मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए आभार जताया। सांगानेर महानगर घुमन्तू कार्य संयोजक महेश कुमार वर्मा ने बताया घुमन्तू जाति उत्थान न्यास द्वारा जयपुर महानगर की घुमन्तू बस्तियों में दस्तावेजोत्पन्न अभियान कार्य चलाया जा रहा है।

## कार की टक्कर से स्कूटी सवार छात्र की मौत

जयपुर। एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इससे स्कूटी सवार छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। मामले की जांच दुर्घटना थाना पूर्व कर रहा है। पुलिस के अनुसार बूंदी निवासी श्रेयांस होली की अलसुबह स्कूटी से गोविंददेवजी के दर्शन करने जा रहा था। महल रोड पर खादूरश्याम मंदिर के पास कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे श्रेयांस और उसका साथी घायल हो गया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां पर श्रेयांस की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि श्रेयांस जयपुर में पढ़ाई कर रहा था। वह होली की सुबह गोविंददेवजी के मंगला आरती के दर्शन करने के लिए एक्टिवा से अपने दोस्त अभिनव के साथ निकला था। एक्टिवा श्रेयांस चला रहा था। सुबह 5 बजे खादूरश्याम मंदिर के आगे सामने से गलत दिशा से आई तेज कार ने एक्टिवा को टक्कर मार दी।

# स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों का जायजा लिया निगम उपायुक्त ने

जयपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए हेरिटेज निगम के सभी अधिकारी लगातार फील्ड में सक्रिय नजर आ रहे हैं। धुलंडी के दूसरे दिन निगम आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर जोन उपायुक्त ने क्षेत्र में दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जिन वार्डों में पिछले कई समय से कचरा नहीं उठाने की शिकायत आ रही थी, उन वार्डों में जाकर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ कराई। साथ ही सड़क पर कचरा फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की। आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर अधिकारी लगातार फील्ड निरीक्षण कर रहे हैं। सभी मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक को भी वार्डों में सफाई रखने के लिए पाबंद किया है। कुछ जगहों पर सफाई होने के बाद आमजन कचरा फेंक रहे हैं। उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए। स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान निगम अधिकारी सड़क पर स्वच्छता को लेकर लगातार वांच रखेंगे। उन्होंने बताया कि निरीक्षण स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन के



स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए धुलंडी के दूसरे दिन निगम आयुक्त के निर्देश पर जोन उपायुक्त ने क्षेत्र में दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यवर्धक बनाया जा सके। वहीं, किसानपोल जोन उपायुक्त दिलीप बंबानी ने वार्ड 60,61,62,64,65, और 66 का गहन निरीक्षण किया।

## ढूँढाड़ परिषद का धमाल सम्पन्न

जयपुर। ढूँढाड़ परिषद द्वारा 12 वा ढूँढाड़ की धमाल (फागोत्सव) जय क्लब में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन ढूँढाड़ परिषद के संस्थापक अध्यक्ष विजय पाल कुमाराव ने ढूँढाड़ भाषा में किया कार्यक्रम में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक हनुमान सहाय शर्मा गरिमा कुमाराव ने गायन का प्रस्तुति दी और ललित राणा एंड पार्टी ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, विधायक बालमुकुंददाचार्य, ग्रेटर महापौर सोम्या गुर्जर, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, भाजपा शहर अध्यक्ष अमित गोयल, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता, पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, सर्व ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गिरिराज गर्ग, भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री मुखेश पारीक, बार एसोसिएशन अध्यक्ष संदीप लुहाड़िया सहित जयपुर के लोग उपस्थित रहे साथ ढूँढाड़ के व्यंजनों का लुप्त उठाया।

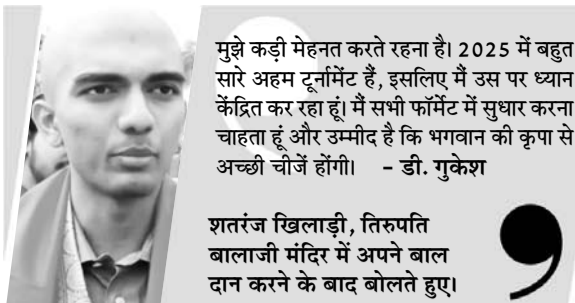
## स्टंट करने से रोकना चालक को भारी पड़ा

जयपुर। अशोक नगर थाना इलाके में सरकारी वाहन के चालक को थार गाड़ी सवार युवकों को स्टंट करने पर टोकना भारी पड़ गया। कार सवार बदमाशों ने बैंक लेकर सरकारी वाहन को टक्कर मार दी। इससे सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। चालक ने बैंक तरह भाग कर अपनी जान बचाई। पुलिस के अनुसार रानियावास जमवारागढ़ निवासी मूलचंद ने मामला दर्ज करवाया कि वह निर्वाचन विभाग सचिवालय की गाड़ी चलाता है। वह 12 मार्च की रात को पृथ्वीराज सिंह रोड सेंट्रल पार्क के पास खड़ा था। इसी दौरान एक काली थार स्टंट करती आ रही थी। इस पर उसने कार सवार युवकों टोका तो बदमाशों ने कार बैंक ली और सरकारी वाहन को टक्कर मार दी। सरकारी वाहन के खड़े चालक ने भाग कर अपनी जान बचाई। टक्कर मारने के बाद बदमाश थार लेकर फरार लेकर हो गए। पीड़ित ने वापस अपनी गाड़ी स्टार्ट करने का प्रयास किया तो बदमाशों ने उस पर थार चढ़ाने का प्रयास किया और फिर वहां से भाग निकले। पीड़ित ने थार के नंबरों के आधार पर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर नंबरों के

## मोबाइल चोरी कर खाते से निकाले 1.60 लाख

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में बस में सफर करने के दौरान किसी ने युवक का मोबाइल पार कर लिया और फिर उसके खाते से 1.60 लाख रुपए निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार मीणावाला निवासी सोनू सांसी ने मामला दर्ज करवाया कि वह त्रिवेणी नगर से मीणावाला बस में सवार होकर जा रहा था। इसी दौरान किसी ने सिरसी पुलिसिया के पास-पास उसकी जेब से मोबाइल पार कर लिया। चोरी का पता लगने पर पीड़ित बस से उतरकर थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। इस दौरान बदमाशों ने उसके खाते से 1.60 लाख रुपए निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।





मुझे कड़ी मेहनत करते रहना है। 2025 में बहुत सारे अहम टूर्नामेंट हैं, इसलिए मैं उस पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूँ। मैं सभी फॉर्मेट में सुधार करना चाहता हूँ और उम्मीद है कि भगवान की कृपा से अच्छी चीजें होंगी। - डी. गुकेश

शतरंज खिलाड़ी, तिरुपति बालाजी मंदिर में अपने बाल दान करने के बाद बोलते हुए।



## खेल जगत

### आज का खिलाड़ी



### लक्ष्य सेन

लक्ष्य सेन की ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन 2025 का खिताब जीतने की उम्मीदें शुक्रवार, 14 मार्च को खत्म हो गईं। 2022 के फाइनलिस्ट को बर्मिंघम में चीन के उच्च रैंकिंग वाले ली शि फेंग के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में सीधे गेमों में 10-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

क्या आप जानते हैं? ... सचिन तेंदुलकर ने अपने वनडे इंटरनेशनल करियर में सबसे ज्यादा 463 मैच खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया हुआ है।

लक्ष्य को बुधवार को गत चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी पर अपनी जीत में दिखाई गई लय हासिल करने में संचय करना पड़ा, एकतरफा मुकाबले में वह हार गए जो सिर्फ 35 मिनट तक चला। पेरिस ओलिंपिक में पदक से मामूली अंतर से चुके 2022 के उपविजेता सेन ने अच्छी शुरुआत की थी।

# रोहित की टेस्ट कप्तानी को जीवनदान मिला

नई दिल्ली, 15 मार्च। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारत ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीती। जिस कारण उनकी टेस्ट कप्तानी को भी जीवनदान मिला है। बताया जा रहा है कि जून से आगस्त के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में रोहित शर्मा ही कप्तान होंगे।

ऑस्ट्रेलिया दौर पर टेस्ट सीरीज में भारत का प्रदर्शन काफी खराब था। इसके बाद रोहित शर्मा को कप्तानी पर सवाल उठने लगे थे। यहां तक कि आखिरी टेस्ट में रोहित ने खुद को टीम से बाहर कर लिया था। इस टेस्ट में जसप्रीत बुमराह ने भारत की कप्तान संभाली थी। अब चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के बाद रोहित को बीसीसीआई का पूरा समर्थन मिला है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक बोर्ड और चयनकर्ता रोहित को एक और बड़े दूर पर



बतौर कप्तान भेजने का फैसला किया है। बोर्ड का कहना है कि रोहित ने साबित कर दिया है कि वह क्या कर सकते हैं। हर किसी

को लगता है कि इंग्लैंड दौर पर भारत का नेतृत्व करने के लिए रोहित सबसे उपयुक्त हैं। रोहित ने भी अभी रेड बॉल क्रिकेट खेलने की इच्छा जताई है।

इससे पहले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद रोहित ने खुद कहा था कि वह रिटायर नहीं होने जा रहे हैं। हालांकि, जब उनसे 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अपनी योजना का खुलासा नहीं किया था। रोहित ने आईसीसी से कहा कि मैं अच्छा खेल रहा हूँ। मैं टीम के साथ जो भी कर रहा हूँ, उसमें मजा आ रहा है। टीम को भी मेरे साथ अच्छा लग रहा है। ये बहुत अच्छी बात है। मैं अभी 2027 के लेकर कुछ नहीं कह सकता हूँ, क्योंकि इसमें काफी समय है। क्योंकि इसमें काफी समय है। लेकिन मैंने अपने सभी विकल्प खुले रखे हैं।

## बॉक्सिंग फेडरेशन का चुनाव नहीं लड़ सकेंगे अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 15 मार्च। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, 28 मार्च को होने वाले चुनाव के निर्वाचक मंडल में शामिल करने के लिए अनुराग ठाकुर के नामांकन को खारिज कर दिया गया। जिसके बाद कहा गया कि, वह प्रतिनिधित्व करने के पात्र नहीं है। हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ ने चुनाव के लिए ठाकुर और उपाध्यक्ष राजेश भंडारी के नाम भेजे थे। बीएफआई ने 60 सदस्यीय निर्वाचक मंडल की सूची जारी की जिसे जांच के बाद अंतिम रूप दिया गया। बीएफआई ने निर्णय की व्याख्या करते हुए कहा कि, अनुराग ठाकुर का नाम राज्य इकाई ने भेजा था। हालांकि, उन्हें भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के सात मार्च 2025 के नोटिस और भारतीय राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 के उल्लंघन के कारण आयोग पाया गया है। सभी संबद्ध राज्य संघों को भेजे गए सात मार्च के नोटिस में कहा गया था कि चुनाव एजीएम के दौरान बीएफआई से संबद्ध राज्य इकाईयों के केवल वास्तविक और विधिवत निर्वाचित सदस्य ही अपने संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत होंगे। बीएफआई के एक सूत्र ने कहा कि, अनुराग ठाकुर हिमाचल प्रदेश राज्य संघ के निर्वाचित सदस्य नहीं हैं। इसलिए उनका नाम खारिज कर दिया गया है।

# खेलों के विकास में महिला खिलाड़ियों का योगदान अतुलनीय : विराट कोहली



खेल इस परिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसी भी देश में खेल के सुधार के लिए पुरुषों को देखें, यह सामूहिक होना चाहिए। खेल संस्कृति में सभी शामिल हैं, और महिला खेल इसका एक बड़ा हिस्सा है।

## आरसीबी से जुड़े विराट कोहली

नई दिल्ली, 15 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन का काउंटडाउन शुरू हो गया है। सभी टीमों में जोरो शोरो से तैयारी कर रहे हैं। आरसीबी टीम 17 मार्च को एक चित्रास्वामी स्टेडियम में अनबाक्स इवेंट आयोजित करने जा रही है। इससे पहले टीम में शॉमिल स्टार प्लेयर विराट कोहली बैंगलूर पहुंच गए हैं। इस दौरान कोहली का स्टायलिश अंदाज देखा गया जहां वो गाड़ी से हीरो की तरह निकल रहे हैं। विराट कोहली का गाड़ी से निकलने वाला वीडियो आरसीबी ने अपने सोशल मीडिया हैडल से शेयर किया है। जिसमें आप देख सकते हैं कि, कोहली ग्रे रंग के ट्रॉजर और ब्लू रंग की शर्ट में स्टायलिश नजर आ रहे हैं।

## इंडियन वेल्स के फाइनल में एंड्रीवा का सामना सबालेंका से

कैलिफोर्निया, 15 मार्च। उभरती हुई रूसी स्टार मीरा एंड्रीवा 2001 के बाद से इंडियन वेल्स में महिला फाइनल में पहुंचने वाली पहली 17 वर्षीय खिलाड़ी बन गईं, उन्होंने पिछले मैच में तट चैंपियन इगा रिव्याटेक को हराया। उन्होंने फरवरी में दुबई में क्वार्टर फाइनल में इगा को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट की सबसे कम उम्र की विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया जिसके बाद लगातार दो टूर्नामेंट में उन्होंने दूसरी बार विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी को हराया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, एंड्रीवा ने एकतरफा मुकाबले में दूसरा सेट हारने के बाद वापसी करते हुए अनुभवी पोल को 7-6 (7-1) 1-6 6-3 से हराया। फाइनल में उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका से होगा। बेलारूसी खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में अमेरिकी मैडिसन कीज से मिली हार का बदला लेते हुए 6-0, 6-1 से जीत दर्ज की। नौवीं वरीयता प्राप्त एंड्रीवा ने अंतिम सेट में अपनी वापसी पर कहा, मुझे लगता है कि मैं अपनी घबराहट और देबाव से बहुत अच्छी तरह निपट रही थी, इसलिए मुझे खुद पर गर्व है। दूसरे सेट में जब उसने मुझे सचमुच हरा दिया, तो मैंने सोचा शायद मैं लड़ने की कोशिश करूँगी। मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकती थी। वह कमाल का खेल रही थी।

## महिला क्रिकेट विश्वकप

### तवालीफायर 9 से पाक में

दुबई, 15 मार्च। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 में अंतिम दो स्थानों के लिए छह टीमों के बीच नौ से 19 अप्रैल तक क्वालीफायर टूर्नामेंट पाकिस्तान में खेला जायेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार इस राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट के सभी 15 मैच पाकिस्तान में लाहौर के गदाफी स्टेडियम और लाहौर सिटी क्रिकेट एसोसिएशन (एलसीसीए) स्टेडियम में नौ से 19 अप्रैल खेले जायेंगे। इस टूर्नामेंट की शीर्ष दो टीमों भारत में अक्टूबर और नवंबर में होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप में खेलेंगी। क्वालीफायर के छठे संस्करण में छह टीमों हिस्सा ले रही हैं, जिनमें चार पूर्ण सदस्य - पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बंगलादेश और आयरलैंड शामिल हैं। स्कॉटलैंड और थाईलैंड टूर्नामेंट की अन्य दो टीमों हैं। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और मेज़बान भारत 10 टीमों वाली आईसीसी महिला चैंपियनशिप (2023-25) में शीर्ष छह में रहने के कारण पहले ही विश्वकप के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। क्वालीफायर का पहला मुकाबला नौ अप्रैल को गदाफी स्टेडियम में मेज़बान पाकिस्तान और आयरलैंड के बीच होगा। वहीं वेस्टइंडीज का मुकाबला एलसीसीए में स्कॉटलैंड से होगा। अगले दिन बंगलादेश और थाईलैंड एलसीसीए में एक-दूसरे से भिड़ेंगे। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, ये छह टीमों महिला क्रिकेट विश्व कप से बस एक कदम दूर हैं और मुझे यकीन है कि वे प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार होंगे। आईसीसी की ओर से, मैं सभी भाग लेने वाली टीमों को शुभकामनाएं देना चाहता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि भारत में होने वाले विश्व कप की तैयारी के लिए पर लाहौर में कुछ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट देखने को मिले।

# एनसीए से फिट घोषित होने पर ही आईपीएल में खेल सकेंगे बुमराह

मुम्बई, 15 मार्च। अपनी चोट से अभी पूरी तरह नहीं उबर पाये भारत के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के चिकित्सा दल द्वारा फिट घोषित किये जाने पर मुंबई इंडियंस के लिए खेल सकेंगे। ऐसी जानकारी मिली है कि अप्रैल में शुरुआत में बुमराह मुंबई इंडियंस की टीम के साथ जुड़ेंगे। बुमराह एमआई के साथ तभी जुड़ सकेंगे जब एनसीए का चिकित्सा दल उन्हें फिट करार देगा।

बुमराह अपने पीट के निचले हिस्से में खिचाव संबंधी चोट से उबर रहे हैं। उन्हें चार जनवरी को सिडनी में बॉर्डिंग-गायस्कर ट्राफी के आखिरी टेस्ट के



दूसरे दिन यह चोट लगी थी। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम की घोषण करते हुए मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि बुमराह को बीसीसीआई मेडिकल टीम द्वारा कम से

कम पांच हफ्ते (एससीजी टेस्ट से) आराम करने की सलाह दी है।

आईपीएल 2025 में एमआई 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ चेन्नई में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। उसके बाद वे 29 मार्च को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स (जीटी) से खेलेंगे। एमआई का पहला घरेलू मैच दो दिन बाद 31 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ होगा। इसके बाद वे अप्रैल के पहले हफ्ते में दो मैच खेलेंगे जिसमें 4 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ लखनऊ में और सात अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) के खिलाफ अपने घर में।



राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों ने सर्वाइ मानसिंह स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान बल्लेबाजी और गेंदबाजी का जमकर अभ्यास किया।

## स्पेन के खिलाफ मुकाबले के लिए नीदरलैंड्स की टीम में डेपे की वापसी

द हेग, 15 मार्च। नीदरलैंड्स के कोच रोनाल्ड कोमैन ने शुक्रवार को कहा कि 20 और 23 मार्च को स्पेन के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल के लिए कोरिंथियंस के स्ट्राइकर मेम्फिस डेपे को टीम में शामिल किया है। 31 वर्षीय डेपे को आठ महीने बाद टीम में वापसी हुयी है। पिछले साल 10 जुलाई को उन्होंने अपने देश के लिए अपना आखिरी मैच इंग्लैंड के खिलाफ यूरो 2024 के सेमीफाइनल में खेला था। पिछले साल सितंबर में ब्राजील के क्लब कोरिंथियंस में ट्रांसफर होने के बाद उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया था। डेपे ने अब तक नीदरलैंड के लिए 98 कैप हासिल किए हैं। उन्होंने 46 गोल किए हैं, जो नीदरलैंड्स के लिए 50 गोल करने वाले मौजूदा ऑल-टाइम गोल स्कोरर रॉबिन वैन पर्सी से सिर्फ चार पीछे हैं।

## सीएसके ने आईपीएल के लिए चेन्नई मेट्रो, एमटीसी के साथ किया समझौता

चेन्नई, 15 मार्च। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को आईपीएल 2025 के लिए चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड और मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन के साथ विशेष साझेदारी की घोषणा की, ताकि टीम के घरेलू मैचों के दौरान प्रशंसकों की सुविधाओं में इजाजाफा किया जा सके। एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेपक सीएमआरएल के साथ साझेदारी के जरिये मैच टिकट वाले प्रशंसक बिना किसी अतिरिक्त कीमत के मेट्रो रेल में यात्रा कर सकते हैं।

# जब वरुण चक्रवर्ती को मिली जान से मारने की धमकी, डिप्रेसन में आ गया था भारतीय गेंदबाज

नई दिल्ली, 15 मार्च। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बेहतरीन गेंदबाजी करके टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले वरुण चक्रवर्ती का ताजा खुलासा चौकाने वाला है। दरअसल, वरुण का कहना है कि 2021 में टी20 वर्ल्ड कप में उनका प्रदर्शन जोरदार नहीं था तो उनको फोन पर धमकी भरे कॉल आए थे।

वरुण ने कहा कि टीम इंडिया का तब सफर जल्दी खत्म हो गया था, तब उनको लगा था कि अब शायद उनका इंटरनेशनल क्रिकेट करियर खत्म हो गया है। ध्यान रहे वरुण का टी20 डेब्यू जुलाई 2021 में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से हुआ था। उसके बाद उनका चयन विराट कोहली के नेतृत्व वाली टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में किया गया था। वरुण ने तब उस टूर्नामेंट के दौरान कुल 3 मैच खेले थे, लेकिन वो एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। वरुण तब

दुबई में भारत की 10 विकेट से पाकिस्तान से मिली पाकिस्तान से हार वाली टीम के भी सदस्य थे। जो किसी भी वर्ल्ड कप में भारत की पाकिस्तान से पहली धमकी थी। वरुण ने यूट्यूब शो में मशहूर एंकर गोबिनाथ से कहा कि, ये मेरे लिए एक बुरा समय था। मैं डिप्रेसन में था क्योंकि मुझे लग था कि मैं वर्ल्ड कप के लिए चुने जाने के बाद जस्टिस नहीं कर पा रहा हूँ। मुझे एक भी विकेट नहीं ले पाने का अफसोस था। उसके बाद तीन साल तक मेरा सेलेक्शन नहीं हुआ, इसलिए मुझे लगा कि टीम में वापसी मेरे डेब्यू से कहीं ज्यादा कठिन थी।

चक्रवर्ती ने आगे कहा कि, मुझे अपने बारे में बहुत कुछ बदलना पड़ा। मुझे अपना रूटीन, प्रैक्टिस बदलना पड़ी। पहले मैं एक सत्र में 50 गेंदों का अभ्यास करता था, मैंने इसे दोगुना कर दिया। बिना ये जाने कि सेलेक्टर मुझे वापस बुलाएंगे या नहीं। ये

मुश्किल था। तीसरे साल के बाद मुझे लगा कि सब खत्म हो गया है। हमने आईपीएल जीता और फिर मुझे कॉल आया उसके बाद की बहुत खुश था। उन्होंने कहा कि, तब 2021 वर्ल्ड कप के बाद मुझे धमकी भरे कॉल आए थे। कहा गया कि भारत मत आना। लोग मेरे घर आए, मुझे दूढ़ने लगे- यूझए कर्द बाघ कि मैं वर्ल्ड कप के लिए चुने जाने के बाद जस्टिस नहीं कर पा रहा हूँ। मुझे एक भी विकेट नहीं ले पाने का अफसोस था। उसके बाद तीन साल तक मेरा सेलेक्शन नहीं हुआ, इसलिए मुझे लगा कि टीम में वापसी मेरे डेब्यू से कहीं ज्यादा कठिन थी।

## विश्व कप तवालीफॉयर के लिये नेमार अनफिट

रियो डी जनेरियो, 15 मार्च। घुटने की चोट से उबर रहे ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार कोलंबिया और अर्जेंटीना के खिलाफ विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर मैचों में नहीं खेल पाएंगे। ब्राजील फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) ने शुक्रवार को बयान जारी कर यह जानकारी साझा की। कोच डोरिवल जुनियर ने कहा कि नेमार, गोलकीपर एडर्सन और डिफेंडर डैनिलो कोलंबिया और अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले मैच के लिये फिट नहीं हैं। नेमार के स्थान पर रियाल मैड्रिड के स्ट्राइकर एंड्रिक को ब्राजील की टीम में शामिल किया गया है।



## गुलाबी नगरी में राजस्थान रॉयल्स का होली समारोह

जयपुर, 15 मार्च। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने होली के त्योहार को रंगों, अंतहीन हंसी और मजबूत टीम भावना के साथ मनाया। खिलाड़ी रंगों के त्योहार को मनाने के लिए एक साथ आए, गुलाल लगाया, मिठाइयाँ बाँटीं और एक बड़े रॉयल्स परिवार के रूप में इस खुशी के अवसर का आनंद लिया।

# राहुल द्रविड़ दर्द के बावजूद खिलाड़ियों को दे रहे ट्रेनिंग

जयपुर, 15 मार्च। टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले राहुल द्रविड़ को आईपीएल फ्रैंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपना हेड कोच बनाया। राहुल द्रविड़ के क्रिकेट के प्रति जुनून और निष्ठा के लिए जाना जाता है। उनकी सादगी उनको और खस बनाती है। वहीं द्रविड़ जिस भी टीम से जुड़ते हैं उसे चैंपियन बनाने में जी जान लगा देते हैं। इसी कारण से वह राजस्थान रॉयल्स के कैप में बैसाखी पर पहुंचे। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को पैर में चोट लगी है। पूर्व भारतीय कप्तान कर्नाटक में अपने बेटे अन्वय द्रविड़ के साथ कुछ क्लब क्रिकेट खेल रहे थे और ऐसा लगता है कि इस दौरान उनके दाहिने पैर में चोट लग गई है। हालांकि, ये चोट भी उन्हें टीम से दूर नहीं



रख सकी। राजस्थान रॉयल्स ने अपने मंगलवार के ट्रेनिंग सेशन का वीडियो शेयर किया है। इस सेशन में राहुल द्रविड़ भी शामिल हुए। द्रविड़ जब गाड़ी से उतरे तो प्राउंड तक पहुंचने के लिए उन्हें बैसाखी का इस्तेमाल करना पड़ा। वह उसी के सहारे मैदान तक पहुंचे जहां बाकी खिलाड़ी अभ्यास कर रहे थे। द्रविड़ एक कुर्सी पर बैठे और दूसरी पर अपना पांव रखा। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों की ट्रेनिंग पर ध्यान दिया। एक-एक करके खिलाड़ी उनसे मिलने आते रहे। वह टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और ऑलराउंडर रियान परगम से बल्लेबाजी की बात करते हुए दिखाई दिए। उन्हें देखकर समझ आ रहा था कि खिलाड़ियों से बात करते हुए अपना दुख दर्द भूल गए थे।



## राजस्थान रॉयल्स और आरएसएससी ने जयपुर में आरसीए अकादमी में वृक्षारोपण अभियान के लिए हाथ मिलाया

जयपुर, 15 मार्च। राजस्थान रॉयल्स ने राजस्थान राज्य खेल परिषद (आरएसएससी) के सहयोग से आज आरसीए अकादमी में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया, जिसमें पर्यावरण स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। इस पहल में राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष राजीव खन्ना के साथ-साथ टीम के खिलाड़ी संदीप शर्मा, ध्रुव जुरेल, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल सिंह रावठी और अन्य ने भाग लिया। आरएसएससी के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार पवन भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने खेल अवसरचना में हरित पहल पर जोर दिया। इस अभियान के साथ, रॉयल्स समुदाय को वापस देने और एक हरित कल को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखते हैं।

## ट्रेन हाइजैक पर भारत ने पाकिस्तान के दावे को खारिज किया

नयी दिल्ली, 14 मार्च। भारत ने बलूचिस्तान में ट्रेन अपहरण की घटना को लेकर पाकिस्तान को ओर से दिये गए बयानों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है और कहा है कि पाकिस्तान को अपनी अंदरूनी विफलताओं के लिए दूसरों को दोष नहीं देना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान की ओर से की गई टिप्पणियों पर मीडिया के सवालियों के जवाब में कहा, "हम पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आधारहीन आरोपों को दृढ़ता से खारिज करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहाँ है। पाकिस्तान को अपनी आंतरिक समस्याओं और विफलताओं के लिए दोष दूसरों पर डालने के बजाय अंदर झाँकना चाहिए।"

## जबरदस्ती व विरोध नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) जीवित करना चाहिए। अगर गैर हिंदी भाषियों को हिंदी से दिक्कत है तो उन पर संस्कृत थोप दी जानी चाहिए।

इस समय भारत का भाषाई परिदृश्य बहुत ज्यादा धुंधलीकृत है, ऐसे में कैडबरी डेयरी मिलक की अप्रोच महत्वपूर्ण है। इसमें भाषा के इंसानी पहलू को दिखाया गया है कि यह तोड़ने का नहीं जोड़ने का जरिया है और इस प्रकार ब्रांड ने विवाद में पड़े बिना सबको साथ लेकर चलने का संदेश दिया है। भारत के भाषाई मसले पर इस विज्ञापन का कितना असर पड़ेगा, यह देखा जाना बाकी है। पर एक बात तो तय है कि कैडबरी डेयरी मिलक ने वह कर दिया है, जो करने के लिए नेता जूझ रहे

## पुलिसकर्मियों ने नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) होली का बहिष्कार करने पर मजबूर होना बहुत ही कष्टदायक है। बजट विनियोग विधेयक पर बोलते हुए मैंने पुलिस कर्मियों का मेस भत्ता बढ़ाने और डीपीसी से प्रमोशन की मांग को मुख्यमंत्री के सामने उठाया था। मेरी मुख्यमंत्री से भी अपील है कि पुलिसकर्मियों की मांग पर सकारात्मक फैसला करे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटोसरा ने कहा कि पुलिसकर्मियों हर पर्व को सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्मिलन करने के लिए अपने परिवार से दूर कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। कल प्रदेशवासियों ने आनंदमय माहौल में होली मनाई, लेकिन भाजपा सरकार की हठधर्मिता की वजह से आज पुलिसकर्मियों होली का बहिष्कार करने को मजबूर है।

कर्मचारी संगठनों ने भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से पुलिस कर्मियों की लिखित मांगों का समाधान करने की अपील की है। संयुक्त कर्मचारी महासंघ एकीकृत के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेजकर कहा है कि पुलिस कर्मियों की वाजिब मांगों को सरकार तह पहुंचाने का कोई मंच नहीं है। अपनी मांगों को सरकारों से मनवाने के लिए पुलिसकर्मियों अन्य कर्मचारियों की तरह हड़ताल, धरना-प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं, इसलिए सरकार के पास उनकी जायज मांगों नहीं पहुंच पाती है। सरकार तत्काल उनकी मांगों पर ध्यान देकर समाधान करे।

# 'हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है'

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में "शक्ति वंदन, भारत के स्व का अभिनन्दन" महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कहा

जयपुर, 15 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त और विकसित देश-प्रदेश बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधी आवादी की भागीदारी के बिना विकास की यात्रा अधूरी है।

उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में भी शक्ति के लिए मां दुर्गा, धन के लिए मां लक्ष्मी और बुद्धि के लिए मां सरस्वती की उपासना करने की परम्परा रही है। शर्मा ने कहा कि यह शक्ति वंदन महोत्सव हमारे महिला सशक्तिकरण के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में "शक्ति वंदन: भारत के

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी भी देखी और कहा कि रानी अहिल्याबाई ने महेश्वर में हथकरघा का विकास किया व महेश्वर साड़ी की साँगात दी।

स्व का अभिनन्दन महोत्सव" के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमता अहिल्याबाई ने अपने जीवन और कार्यों से एक स्थायी विरासत छोड़ी है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महेश्वर में स्थानीय हथकरघा उद्योग का विकास कर दुनिया को महेश्वर साड़ी की साँगात दी। वे एक साहसी योद्धा, सक्षम प्रशासक और सनातन संस्कृति की समर्पित संरक्षिका थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधी आवादी

की उन्नति और प्रगति में विश्वास रखते हैं। यह महोत्सव प्रधानमंत्री के "चोकल फॉर लोकल" अभियान के तहत, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और वित्तीय कलाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है। हाल ही में होली के पावन अवसर पर सरकार ने स्वयं सहायता समूहों की माताओं-बहनों द्वारा तैयार हर्बल गुलाल खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर तीन दिवसीय 'नारी शक्ति वंदन: भारत के स्व का अभिनन्दन' महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने शक्ति वंदन पुस्तक में उद्यमी महिलाओं के लिए संदेश लिखा। शर्मा ने जयपुर नगर निगम ग्रेटर द्वारा आयोजित 'देवी अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी' का भी अवलोकन किया और प्रदर्शनी के "रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल" आधारित उत्पादों की सराहना की।

इस अवसर पर नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ. सीमिया गुर्जर ने मुख्यमंत्री को अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम में जयपुर सांसद मंजू शर्मा सहित, जनप्रतिनिधिगण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमी एवं बड़ी संख्या में अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

## रूस बातचीत से पहले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) रूस के साथ बातचीत से पहले ही रूसी राष्ट्रपति के नवीनतम आचरण से यह प्रतीत होता है कि वे अमेरिकी शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने की जटिलताओं में नहीं हैं।

अब यह रहा है कि रूस अधिक से अधिक सैन्य दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, ताकि वो अमेरिका के साथ वार्ता में इसका इस्तेमाल कर सके। उदाहरण के लिए, कुरुक्षेत्र पर रूस का कड़ा नियंत्रण, यूक्रेन व अमेरिका के लिए सौदेबाजी का एक बड़ा हथियार है। इस संदर्भ में उच्च रूसी सहायकों द्वारा दिए गए संकेतों और रूसी राष्ट्रपति के नवीनतम आचरण से यह प्रतीत होता है कि वे अमेरिकी शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने की जटिलताओं में नहीं हैं। वार्ता की टेबल पर आने से पहले वो पूरी

स्थिति पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना चाहते थे। इससे अमेरिका की स्थिति व नियंत्रण कमजोर हो रहा है। यदि ऐसा होता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रयासों के लिए यह एक सीधा अपमान होगा। उसके बाद ट्रंप, रूसियों को पलटवार में एक सख्त पाठ पढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं। कुछ अमेरिकी सूत्रों ने पहले से ही यह संकेत दिया है कि खुफिया जानकारी का आदान प्रदान, जो निर्लंबित कर दिया गया था, वो शुरू हो चुका है और अन्य खुफिया जानकारीयों फिर से आ रही हैं। समय आने पर, यदि वार्ताएं विफल हो जाती हैं, जिन्हें यूक्रेन पहले ही दबाव में आकर स्वीकार कर चुका है, तो अमेरिका पूरी ताकत से हस्तक्षेप कर सकता है।

## 'हम केन्द्र के शिक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) तमिल भाषा में भारतीय मुद्रा के लिये प्रयुक्त हुआ है। लोगों में एक कैप्शन भी था "सबके लिये प्रत्येक चीज" यह कैप्शन सरकार के समावेशी मॉडल का परिचायक है, क्योंकि सत्तारूढ़ द्रुपक तमिलनाडु सरकार के समावेशी होने का दावा करती है।

तमिलनाडु सरकार पर प्रहार करते हुये, राज्य के भाजपा अध्यक्ष के अग्रमलाई ने कहा कि "रूपये के प्रतीक को तमिलनाडु उद्यम कुमार ने ही डिजाइन किया था। वे द्रुपक विधायक के पुत्र हैं। उन्होंने लिखा, स्टालिन, आप किस हद तक मूर्ख हो सकते हैं?" उन्होंने 2024-25 के तमिलनाडु बजट का लोगो ने भी शेरार किया, जिसमें भारतीय रुपये का प्रतीक था। गौरतलब है कि तमिलनाडु के राज्यपाल ने अभी कोई अधिकृत बयान नहीं दिया है।

## चारागाह भूमि से कब्जा नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) भी पेश करने को कहा है। सीजेएमएएम श्रीवास्तव और जस्टिस भुवन गौयल की खंडपीठ ने यह आदेश नकीराम व अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग की ओर से आदेश की पालना के लिए दो सप्ताह का समय मांगा गया। इस पर अदालत ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मामले में 23 मई, 2022 के आदेश की पालना नहीं की गई तो अदालत अधिकारियों को वारंट से तलब कर सकती है। अवमानना याचिका में अधिवक्ता वीपी शास्त्री ने बताया कि चिड़वावा की कई बीघा चारागाह भूमि अतिक्रमण मुक्त करने के लिए याचिकाकर्ता ने चिड़वावा तहसीलदार की सूचित किया। तहसीलदार ने 149 अतिक्रमण चिन्हित कर अगस्त, 2021 में कब्जाधारियों को बेदखल करने का निर्णय दिया। वहीं जिला कलेक्टर ने भी तहसीलदार के आदेश को यथावत् रखा। इसके बावजूद भी मौके से अतिक्रमण नहीं हटाया गया। मामले को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका पेश की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने 23 मई, 2022 को चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। इसकी पालना नहीं होने पर अवमानना याचिका दायर कर दोषी अफसरों पर कार्रवाई की गुहार की गई।

## पुलिसकर्मियों ने नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) होली का बहिष्कार करने पर मजबूर होना बहुत ही कष्टदायक है। बजट विनियोग विधेयक पर बोलते हुए मैंने पुलिस कर्मियों का मेस भत्ता बढ़ाने और डीपीसी से प्रमोशन की मांग को मुख्यमंत्री के सामने उठाया था। मेरी मुख्यमंत्री से भी अपील है कि पुलिसकर्मियों की मांग पर सकारात्मक फैसला करे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटोसरा ने कहा कि पुलिसकर्मियों हर पर्व को सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्मिलन करने के लिए अपने परिवार से दूर कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। कल प्रदेशवासियों ने आनंदमय माहौल में होली मनाई, लेकिन भाजपा सरकार की हठधर्मिता की वजह से आज पुलिसकर्मियों होली का बहिष्कार करने को मजबूर है।

कर्मचारी संगठनों ने भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से पुलिस कर्मियों की लिखित मांगों का समाधान करने की अपील की है। संयुक्त कर्मचारी महासंघ एकीकृत के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेजकर कहा है कि पुलिस कर्मियों की वाजिब मांगों को सरकार तह पहुंचाने का कोई मंच नहीं है। अपनी मांगों को सरकारों से मनवाने के लिए पुलिसकर्मियों अन्य कर्मचारियों की तरह हड़ताल, धरना-प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं, इसलिए सरकार के पास उनकी जायज मांगों नहीं पहुंच पाती है। सरकार तत्काल उनकी मांगों पर ध्यान देकर समाधान करे।

## राहुल गाँधी एक सप्ताह की "मैडिटेशन यात्रा" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) की 12 मार्च को होने वाली मीटिंग स्थगित कर दी गई है। अब यह मीटिंग राहुल के विगतपाम से लौटने के बाद ही होगी। पंजाब में राज्य कांग्रेस के राजनैतिक मामलों की कमेटी की मीटिंग गुरुवार को हुई, जिसमें नेतृत्व जाट और दलित राजनीति के बीच फंसा नजर आया।

अमरिन्दर सिंह राजा बड़िंग पार्टी में बहुत अलोकप्रिय हो गये हैं। चर्चा ने भी यह साफ कह दिया है कि उनकी रूचि राज्य की राजनीति में है। पिछली बार, राहुल और प्रियंका गांधी ने चेन्नी को पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में थोप दिया था। उन्होंने यह सोचा ही नहीं था कि ताकतवर जाट सिक्ख लॉबी मुख्यमंत्री के रूप में एक दलित को कभी सहयोग प्रदान नहीं करेगी।

क्या नेतृत्व चर्चा को फिर से पार्टी के चेहरे के रूप में प्रस्तुत करेगा, या स्थिति यथावत चलती रहेगी। भूपेश बघेल, जो इस समय पंजाब प्रभारी हैं, ने अनुशासन के मामले में सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा कर दी है कि नेतागण केवल पार्टी मंचों पर ही बोलेंगे, बाहर नहीं तथा सभी लोग बिना किसी दुर्भावना के, सौहार्दपूर्णकर मिलकर काम करेंगे।

यह सीख सैकड़ों बार दी जा चुकी है, लेकिन इसका शायद ही कोई असर हुआ हो। अभी-

■ कांग्रेस में परिवर्तन के बारे में ऐसी घोषणाएं कई बार हो चुकी हैं, पर, क्रियान्विति ज़ीरो रहती है।

■ कांग्रेस के उसी वरिष्ठ नेता ने इसलिए जोर, देकर कहा कि राहुल को व्यक्तिगत सोच को, व्यवहारिकता का जामा पहनाने की जरूरत है, उनके पास ऐसी सलाह देने वाले नेताओं की टीम बनती नज़र नहीं आती।

अभी, राहुल गांधी ने गुजरात की अपनी यात्रा के दौरान बड़े जोर-शोर से यह घोषणा की थी कि राज्य में भाजपा की मदद करने वाले कांग्रेसजनों को बर्खास्त कर दिया जायेगा तथा पार्टी से निकाल दिया जायेगा, भले ही उनकी संख्या कितनी भी ज्यादा क्यों न हो। राहुल गांधी इससे पहले भी ऐसी घोषणाएं कई बार कर चुके हैं, लेकिन जहाँ तक कार्यवाही का प्रश्न है, कभी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर

अंदरूनी लड़ाई तथा नेताओं के अहं के टकराव से दूर हटकर, पार्टी को विभिन्न राज्यों की सलाह में वापस आना है तो राहुल गांधी की पसंद और नापसंद को राजनैतिक व्यवहारिकता तथा दूरदर्शिता के अनुसार ढलना होगा।

## जेडीसी, जेडीए...


(प्रथम पृष्ठ का शेष) को मुहैया कराए। यदि भूखंड नहीं दे पाए तो उसे जमा करवाई गई राशि 6,88,532 रुपए जमा तारीख से 18 फीसदी ब्याज सहित अदा करें। इसके अलावा परिवाद दायर करने की तारीख से एक हजार रुपए हर दिन हर्जाना राशि दी जाएगी। वहीं, क्षतिपूर्ति के लिए उसे 5.21 लाख रुपए हर्जाना भी दिया जाएगा, लेकिन जेडीए ने इस आदेश का पालन नहीं किया है। इसलिए आदेश की पालना करवाई जाए।

गौरतलब है कि परिवारी ने जेडीए की सीकर रोड स्थित आवासीय योजना, रजत विहार में भूखंड के लिए आवेदन किया था। जेडीए ने उसे भूखंड आवंटित भी कर दिया और परिवारी ने भी उसकी पूरी राशि जमा करवा दी, लेकिन परिवारी को ना तो भूखंड का कब्जा दिया गया और ना ही उसकी जमा राशि ही उसे लौटाई गई।

## कम परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) में याचिका दायर कर कहा कि स्कूल का परीक्षा परिणाम सदैव उत्कृष्ट रहा है। ऐसे में केवल एक साल कम परीक्षा परिणाम आने पर उसे दंडित नहीं कर सकते। इसके अलावा, वरिष्ठ अध्यापकों ने पूरे साल विद्यार्थियों को पढ़ाया, लेकिन परीक्षा परिणाम कम आया। ऐसे में वरिष्ठ शिक्षकों की एवज में उसे दंडित नहीं किया जा सकता।

ऐसे ही दूसरे मामले में, याचिकाकर्ता व्याख्याता नेमी चंद बलाई जयपुर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बधाल में हिंदी के व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं। उनके खिलाफ भी 2018-2019 में कक्षा 12वीं का हिंदी विषय का परीक्षा परिणाम तय मापदंड से कम आने के कारण चार्जशीट दी गई और जुलाई 2021 में दो वार्षिक वेतन वृद्धि रोक ली। विभाग ने वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने की अवधि दो साल से एक साल कर दी। इसे चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि हर छात्र का पढ़ने का स्तर एक जैसा नहीं होता है। इसलिए उसे कम परिणाम के लिए दोषी करार देकर दंडित नहीं किया जा सकता। दोनों मामलों में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने दंडात्मक कार्रवाई को रद्द कर दोषी जमा राशि ही उसे लौटाई गई।

# MAKE A BOLD STATEMENT WITH THE BALENO REGAL EDITION.

Catch everyone's attention wherever you go.

**REGAL EDITION**  
 GET ACCESSORY PACKAGE OF UP TO  
**₹ 42,760\***



THE NEW AGE

# BALENO

TECH GOES BOLD




360 VIEW CAMERA



HEAD UP DISPLAY



6 AIRBAGS\*



IN-BUILT SUZUKI CONNECT

**BENEFITS UP TO ₹ 67,100\*\***

ADDITIONAL SCRAPPAGE BONUS AVAILABLE AGAINST VALID CERTIFICATE OF DEPOSIT.



SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU



E-BOOK TODAY @  
WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Contact us at

**1800-200-6392**  
**1800-102-6392**

\*\* For detailed T&C kindly visit nearest dealership. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice and offers may vary across variants. Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on select models/variants. Finance is at the sole discretion of financier. \*3 years or 100 000 km - whichever is earlier. Scrupage offer valid for limited period only and is brought to you by Maruti Suzuki Toyotsu India Private Limited (a joint venture company between Maruti Suzuki India Ltd and Toyota Tsusho Group). \*\*Above offers are valid till 31<sup>st</sup> March 2025. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. \*Regal Edition kit is available for ₹ 5000 in non-sigma variants.